विश्वकर्मा फर्नीचर
मो. 98261-32636,90987-54366,98274-96911

पावर हाउस रोड, कोरबा

तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 35 अंक 323 | कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 23 अगस्त 2024 डाक 24 अगस्त 2024 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 2024 के दौरान पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में डॉ. पूरबी सैकिया को विज्ञान युवा से सम्मानित किया

देश-विदेश
गुजरात में काला जादू और तंत्र-मंत्र करने पर सात साल तक हो सकती है जेल, विधेयक पारित

फीचर पेज
आपके यूरिक एसिड को कम कर सकता है केला, जानें कब और कैसे खाना है सही

त्रिपुरा में बाढ़-भूस्खनल से बुरा हाल, सेना ने बचाई 330 लोगों की जान, असम राइफल्स ने भी संभाला मोर्चा

अगरतला, 23 अगस्त [एजेंसी]।

त्रिपुरा राज्य इन दिनों भीषण बाढ़ से प्रभावित है। हालात को देखते हुए सेना और एनडीआरएफ के जवानों को राहत और बचाव कार्यों में लगाया गया है। सेना ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि उन्होंने त्रिपुरा में 330 से ज्यादा लोगों को बचाया है। साथ ही बाढ़ प्रभावित इलाकों में असम राइफल्स के जवानों की तैनाती की गई है। त्रिपुरा में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में अब तक 22 लोगों की मौत हुई है। कई लोग अभी भी लापता हैं। बाढ़ के चलते 65 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और ये लोग 450 राहत शिविरों में रह रहे हैं। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में भारतीय सेना ने लिखा कि त्रिपुरा में ऑपरेशन जल राहत के तहत राहत और बचाव अभियान के दौरान 330 से ज्यादा लोगों को बचाया गया है। असम राइफल्स के 21 सेक्टर मुख्यालय के तहत आने वाली 18 असम राइफल्स की दो टुकड़ियों को बाढ़ प्रभावित अमरपुर, भामपुर, बिशलगढ़ और रामनगर में तैनात किया गया है। सात नागरिकों को चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

वहीं बाढ़ग्रस्त इलाकों का आज सीएम माणिक साहा ने हवाई सर्वे किया। मुख्यमंत्री ने त्रिपुरा से बाढ़ग्रस्त गोमती और दक्षिण त्रिपुरा के इलाकों का दौरा किया। बाढ़ के चलते बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित होना पड़ा है। बाढ़ के हालात को देखते हुए सीएम माणिक साहा ने सभी सरकारी, निजी स्कूलों को अगले आदेश तक बंद रखने का निर्देश दिया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा में बाढ़ की स्थिति पर गुरुवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री माणिक साहा से बात की और हर संभव मदद का भरोसा दिया।

गृहमंत्री अमित शाह ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, त्रिपुरा के सीएम से बात की, और राज्य में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। केंद्र सरकार ने राहत और बचाव कार्यों में स्थानीय सरकार की मदद के लिए नावों और हेलीकॉप्टरों के अलावा एनडीआरएफ की टीमों को भेजा है। आवश्यकता पड़ने पर केंद्र से हर संभव सहायता दी जाएगी। मोदी सरकार संकट की इस घड़ी में त्रिपुरा में हमारी बहनों और भाइयों के साथ मजबूती से खड़ी है।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा की बड़ी साजिश नाकाम

पुंछ एलओसी में घुसपैठ की कोशिश कर रहा गाइड गिरफ्तार

पुंछ, 23 अगस्त [एजेंसी]।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर स्थित गुलपुर सेक्टर में सेना के जवानों ने घुसपैठ करते हुए गुलाम जम्मू-कश्मीर के नागरिक को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया नागरिक 50 वर्षीय घुसपैठिया सैयद जाहिर हुसैन शाह पुत्र नसीब अली शाह गांव गंभीर कामिरतह हजीरा गुलाम जम्मू-कश्मीर का रहने वाला है। वह लश्कर-ए-तैयबा आतंकी समूह के गाइड के रूप में काम करता है। पकड़े गए शख्स से पूछताछ जारी है। गुलपुर सेक्टर में नियंत्रण रेखा अग्रिम क्षेत्र में सरला पोस्ट पर तैनात जवानों ने दोपहर लगभग एक बजे तारबंदी के नजदीक पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्र में कुछ हरकत दिखाई दी। इस पर चौकस भारतीय सेना के जवानों ने उच्च अधिकारियों को सूचित करने के साथ ही संदिग्ध हरकत वाले स्थान पर निगरानी रखी। जैसे ही पाकिस्तान की तरफ से एक व्यक्ति को भारतीय क्षेत्र में घुसा तो जवानों ने उसे पकड़ लिया और सैन्य शिविर लाया। तलाशी में उसके पास कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। सेना अपनी पूछताछ के बाद इसे पुलिस के हवाले करेगी।

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू का कहर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू अब जानलेवा भी होता जा रहा है। 24 घंटे में स्वाइन फ्लू से पीड़ित 2 लोगों की मौत हो गई। मनेंद्रगढ़ में 41 साल के शख्स की और राजनांदगांव में 37 साल के युवक की मौत हो गई। इसके अलावा 10 दिन पहले राजनांदगांव में ही 4 साल की बच्ची ने दम तोड़ दिया था। स्वाइन फ्लू से अगस्त महीने में ही 6 लोगों की मौत छत्तीसगढ़ में हो चुकी है। पहली मौत 9 अगस्त को कोरिया जिले में एक महिला की हुई थी। इसके अलावा प्रदेश में एक हफ्ते में 29 पीड़ित मिले हैं जिनमें से 26 तो सिर्फ बिलासपुर से ही हैं।

मुकेश गुप्ता और रजनेश सिंह को बड़ी राहत

रायपुर। भूपेश बघेल शासनकाल में तत्कालीन आईपीएस (रिटायर) मुकेश गुप्ता और एसपी रजनेश सिंह के खिलाफ दर्ज अपराधिक मामले में सीजेएम कोर्ट में यह कहते हुए क्लोज़र रिपोर्ट पेश की है कि, जो आरोप लगाए गए वह अपराध हुआ ही नहीं है। मुकेश गुप्ता और रजनेश सिंह के खिलाफ भूपेश सरकार ने अवैध इंटरसेप्शन करने का मामला दर्ज किया था, इन प्रकरणों में दोनों ही अधिकारियों के खिलाफ गंभीर धाराएँ प्रभावी की गई थीं। जब भी कोई मामला पुलिस दर्ज करती है, तो उसके तीन ही अंत होते हैं।

पहला पुलिस आरोप प्रमाणित पाकर आरोपी को कोर्ट में पेश करती है, दूसरा जबकि यह पाया जाए कि, अपराध हुआ है लेकिन साक्ष्य नही है तो ख़ात्मा पेश होगा, और यदि यह पाया जाए कि, अपराध ही नहीं हुआ है तो खारिजी पेश होगी। एसीबी/ईओडब्लू ने रिटायर आईपीएस मुकेश गुप्ता और आईपीएस रजनेश सिंह के खिलाफ ख़ारिजी पेश किया है।

केजरीवाल की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट में टली सुनवाई, सीबीआई ने मांगा वक्त

नईदिल्ली, 23 अगस्त [एजेंसी]।

दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में मुख्य आरोपी के तौर पर मुकदमे का सामना कर रहे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आज भी कोर्ट से जमानत नहीं मिली। सीबीआई ने और वक्त मांगा है। जिसके बाद अदालत ने 5 सितंबर तक के लिए सुनवाई टाल दी। सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका पर सुनवाई होनी थी। हालांकि सीबीआई ने केजरीवाल की जमानत का विरोध किया था। इससे पहले पिछ्ली सुनवाई में कोर्ट ने दिल्ली सीएम को जमानत देने से इनकार कर दिया था। 14 अगस्त को कोर्ट ने सीबीआई को नोटिस जारी करते हुए कहा था कि वह अपना जवाब दें। आज एजेंसी अदालत में अपना जवाब दाखिल करेगी। आम आदमी पार्टी ने इससे पहले शुक्रवार को सीएम अरविंद केजरीवाल को लेकर नया कैंपेन लॉन्च किया। पार्टी ने कहा कि तानाशाह की जेल की दीवारें तोड़कर केजरीवाल बाहर आएंगे। जैसे मनीष सिसोदिया आए। पार्टी ने ने एक नारा भी दिया है- मनीष सिसोदिया आ गए, केजरीवाल आएंगे।12 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल को अंतरिम जमानत दे दी थी और उनकी गिरफ्तारी की आवश्यकता के पहलू पर तीन सवालों पर गहन विचार के लिए एक बड़ी पीठ को भेज दिया था। लेकिन, सीबीआई मामले में आरोपी होने के कारण वह अब भी न्यायिक हिरासत में हैं। केजरीवाल को घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सबसे पहले ईडी ने 21 मार्च को मुख्यमंत्री आवास से गिरफ्तार किया था। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट से केजरीवाल को जमानत मिल गई थी।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
-: परामर्श का समय :- सुबह 10.30 से 1.30 (शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.(U.K) Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

नेपाल जा रही भारतीय बस नदी में गिरी 40 यात्री थे सवार, अफरातफरी का माहौल

नईदिल्ली, 24 अगस्त [एजेंसी]।

नेपाल के तनहुं जिले के अबुखैरेनी क्षेत्र में एक भारतीय यात्री बस मार्स्यांगदी नदी में गिर गई है। नेपाल पुलिस ने इस घटना की पुष्टि की है। जिला पुलिस कार्यालय तनहुं के डीएसपी दीपकुमार राय ने जानकारी दी कि यूपी एफटी 7623 नंबर प्लेट वाली बस नदी में गिर गई और अब नदी के किनारे पर पड़ी है। दुर्घटना के बाद राहत और बचाव कार्यों में 14 शव बरामद किए गए हैं और 16 घायल यात्रियों को सुरक्षित बचाया गया है। यह बस पोखरा के मझेरी रिजॉर्ट में ठहरे भारतीय यात्रियों को लेकर काठमांडू की ओर रवाना हुई थी। हादसे के समय बस में भारतीय यात्री सवार थे. स्थानीय पुलिस और बचाव दल ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भेजा। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, बस के नदी में गिरने के कारणों की जांच की जा रही है।

प्रशासन ने घटना की गंभीरता को देखते हुए सभी आवश्यक उपाय किए हैं और राहत कार्य को प्राथमिकता दी है। इस दुखद घटना ने स्थानीय समुदाय और यात्रियों के बीच चिंता और शोक की लहर पैदा कर दी है। प्रशासन और बचाव दल इस हादसे की सभी परिस्थितियों की गहराई से जांच कर रहे हैं और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।

भूपेश सरकार में विवादों में रहे पुनीत गुप्ता बने मेडिकल कॉलेज के ओएसडी, अनियमितता आरोप में दर्ज हुई थी एफआईआर

रायपुर, 24 अगस्त [एजेंसी]।

भूपेश सरकार में विभिन्न अनियमितताओं के मामले में निलंबित किए गए डीकेएस सुपर स्पेशलिटी के पूर्व अधीक्षक डॉ. पुनीत गुप्ता को बहाल कर दिया गया है। चिकित्सा विभाग द्वारा इसका आदेश जारी कर उन्हें जेएन मेडिकल कॉलेज का ओएसडी बनाया गया है। आदेश में यह भी कहा गया है कि उनके खिलाफ विभागीय जांच जारी रहेगी। डॉ. पुनीत गुप्ता पर डीकेएस पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट आफ रिसर्च सेंटर के नाम पर अनियमितता का आरोप था। इन मामलों में उन्हें निलंबित कर दिया गया था और एफआईआर कराई गई थी। इस बहाली के बाद भी उनके खिलाफ विभागीय जांच जारी रहेगी और निलंबन अवधि का निराकरण विभागीय जांच के गुण-दोष के आधार पर किया जाएगा। डॉ. गुप्ता ने पांच साल के निलंबन को समाप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। मामले की जांच के दौरान आयुक्त द्वारा इस पर शासन स्तर फैसला लेने और कोई आपत्ति नहीं होने का अभिमत दिया गया। साथ ही डा. गुप्ता पर लगाए गए आरोप के मामले में जांच के दौरान सहयोग करने की सहमति दी गई थी।

सीएम के आश्वासन के बाद महाराष्ट्र के चिकित्सकों ने की हड़ताल समाप्त

मुंबई। महाराष्ट्र के रेजिडेंट डॉक्टर ने राज्य सरकार द्वारा उनकी सुरक्षा के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिए जाने के बाद बृहस्पतिवार को अपनी हड़ताल वापस ले ली। कोलकाता में एक प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म और उसकी हत्या की घटना के विरोध में 10 दिन पहले चिकित्सक हड़ताल पर चले गए थे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने को आश्वासन दिया कि कार्यस्थल पर उनकी सुरक्षा के संबंध में महत्वपूर्णकदम उठाए जाएंगे।

पेवर ब्लॉक
सीमेंट से निर्मित (राखड़ मुक्त) उच्च क्वालिटी के पेवर ब्लॉक
जिग्जैक आई कॉस्मिक बर्फी एक्सकॉन
एवं अन्य प्रकार के डिजाइन में
उचित मुल्य पर उपलब्ध
चेकर टाईल्स
पेट्रोल पंप के लिए रबर मोल्ड जिग्जैक भी उपलब्ध है।
संपर्क करें - 94255-40449
ऐरन इंटरप्राईजेस
कोरबा (छ.ग.)

पांढुणा में शराब के नशे में ड्राइवर ने 110 की स्पीड से दौड़ाई बस... हादसे में 5 लोगों की मौत, 38 घायल

छिंदवाड़ा, 23 अगस्त [एजेंसी]।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से हैदराबाद जा रही बस की तेज गति भारी पड़ गई। बारिश के कारण सड़क में फिसलन हो गई, जिससे बस चालक नियंत्रण नहीं रख सका और बस पांढुणा के पास पलट गई। हादसे में पांच लोगों की ही मौत हो गई, जबकि 38 लोग घायल हुए है। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उपचार जारी है। केबिन में बैठकर यात्रा कर रहे यात्री बोले- चालक नशे में था और तेज रफ्तार से बस चला रहा था। इधर, अस्पताल में घायलों का इलाज करने के लिए सभी चिकित्सक एमरजेंसी ड्यूटी पर उपस्थित हो गए थे।

डॉक्टरों ने सभी घायलों का उपचार किया। वहीं पांच यात्रियों को गंभीर हालत में नागपुर रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलने पर कलेक्टर अजय देव शर्मा भी जायजा लेने अस्पताल पहुंचे। पांढुणा सिविल अस्पताल डॉ मिलिंद गजभिये और डॉ. विनित श्रीवास्तव ने बताया कि जिन घायलों को सिविल अस्पताल लाया गया था उनमें से पांच लोगों की मौत हो गई है। अन्य का इलाज जारी है। एक अन्य घायल के बस के नीचे दबे होने की सूचना है।

रायपुर जेल में विधायक देवेंद्र यादव से मिलने जाएंगे सचिन पायलट, आ रहे दौरे पर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी के बाद से कांग्रेस अग्रेसिव मोड पर है। प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट भी आज प्रदेश के दौरे पर आ रहे हैं। पायलट दोपहर लगभग 1 बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। 3 बजे सचिन पायलट रायपुर जेल देवेंद्र यादव से मिलने जाएंगे। पायलट के अलावा कांग्रेस के प्रभारी सचिव विजय जांगिड़ भी मौजूद रहेंगे।

सचिन पायलट आज शाम लगभग 4 बजे राजीव भवन पहुंचेंगे। वहां कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। बैठक में आने वाले दिनों में कांग्रेस के होने वाले आंदोलन को लेकर चर्चा की जाएगी। देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी को लेकर पार्टी के आंदोलन को लेकर भी बैठक में बातचीत होगी।

निर्माणाधीन फॉर्म हाउस की छत ढहने से बड़ा हादसा, नीचे सो रहे 5 मजदूरों की मौके पर मौत

महू, 23 अगस्त [एजेंसी]।

महू तहसील के पास ग्राम चोरल में सुबह एक निर्माणाधीन फॉर्म हाउस की छत गिरने से बड़ा हादसा हुआ। छत के नीचे सो रहे 5 मजदूर दब गए और उनकी मौके पर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच चुकी है। पहले जेसीबी नहीं पहुंचने से मजदूरों को बाहर नहीं निकाला जा सका। बाद में जेसीबी मौके पर लाई गई। सभी मजदूर निर्माणाधीन फॉर्म हाउस की छत के नीचे ही सोए हुए थे। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह के अनुसार मलबे में 5 मजदूर दब गए। ग्रामीण एसपी हितिका वासल के अनुसार सभी 5 मजदूरों के शव निकाल लिए गए हैं। मृतक मजदूर के नाम पवन, हरिओम, रमेश, गोपाल, राजा निवासी राऊ पता चले हैं। यह भी जानकारी मिली है कि चोरल में इस फॉर्म हाउस में अवैध निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसे लेकर जिम्मेदार अधिकारियों पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं। हालांकि अभी किसी अधिकारी से इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। बताया जाता है कि किसी ठेकेदार के जरिये ये मजदूर यहां लाए गए थे।

बताया जाता है फॉर्म हाउस पर लोहे के एंगल पर छत डाली गई थी। छत गिरने के बाद सिमरोल पुलिस का दल भी मौके पर पहुंच गया था। इसके बाद मौके पर मलबा हटाने का कार्य किया जा रहा है। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए थे।ग्रामीण एसपी के अनुसार छत के मलबे को पूरी तरह हटाने के लिए 3-4 क्रेन की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए 1 क्रेन मौके पर पहुंचाई गई । घटना स्थल पर एक हाइड्रा, 2 जेसीबी और एक पोकलेन पहुंची । एसडीएम चरणजीत सिंह हुड्डा भी मौके पर पहुंच गए थे। यहां अलग-अलग कॉटेज बनाए जा रहे थे। एक कॉटेज के नीचे सभी मजदूर सोए हुए थे और छत गिर गई।

वंदना ने महतारी वंदन की राशि से बच्चे के लिए खरीदी लॉकेट

बचत के साथ बेहतर भविष्य की खुली राह

कोरबा । विकासखण्ड कोरबा अंतर्गत ग्राम कोरकोमा की वंदना राठिया की इच्छा थी कि वह अपने बेटे के गले में सोने का छोटा सा ही सही एक लॉकेट जरूर पहनाएं, लेकिन घर में गरीबी और आर्थिक स्थिति खराब होने की वजह से वह अपनी इच्छा पूरी ही नहीं कर पा रही थी। वंदना ने कुछ रूपए बचत कर जोड़े जरूर थे, लेकिन वह इतनी राशि नहीं थी कि उससे उसका लॉकेट आ जाए। इसी बीच छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जब महतारी वंदन योजना लागू की गई तो वंदना की मानों किस्मत खुल गई। अपना नाम जोड़वाने के बाद वंदना के बैंक खाते में भी एक हजार की राशि प्राप्त होने लगी। उन्होंने कुछ महीनों की राशि को जमा कर इतने रूपये जोड़ लिए कि बच्चे के गले का लॉकेट आ जाए। आखिरकार वंदना ने गांव के बाजार में जाकर सुनार से लॉकेट बनवाकर अपने बच्चे के गले में पहनाई।

ग्राम कोरकोमा की रहने वाली वंदना राठिया ने बताया कि महतारी वंदन योजना के लागू होने से हम महिलाओं को हर महीने एक हजार रूपये मिल जाती है। यह हमारे बहुत काम की राशि होती है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए एक हजार की रकम बड़ी राशि होती है। उन्होंने बताया कि पति की कमाई से घर का खर्च चल पाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना लागू किए जाने के पंचायत छोटी-छोटी जरूरतों के लिए उन्हें मिली एक हजार की राशि काम आती है। कोरकोमा के साप्ताहिक बाजार में अपने बच्चे के लिए लॉकेट खरीदने आई वंदना राठिया ने योजना को लेकर खुशी जताई और इस राशि का आने वाले समय में सदुपयोग करने की बात कही।

जिले के उद्यमियों को सिंगल विण्डों सिस्टम 2.0 के संबंध में दी जानकारी

कोरबा । लेक्टर श्री अजीत वसंत के मार्गदर्शन में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, कोरबा में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र कोरबा द्वारा आयोजित जिले के उद्यमियों/उद्योगपतियों हेतु 'सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 का एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुआ। कार्यशाला के प्रारंभ में श्री टी आर कश्यप, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र कोरबा द्वारा कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों/ उद्योगपतियों/ स्टार्टअप/ उद्यमियों को वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा शुभारंभ किये गये सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 के माध्यम से जुड़े हुये 16 विभागों वाणिज्य एवं उद्योग विभाग श्रम विभाग, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मण्डल, नगर प्रशासन एवं विकास विभाग, ग्राम तथा नगर निवेश, छ.ग. राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित लि., छ.ग.राज्य औद्योगिक विकास निगम, सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी समितियां वाणिज्यिक आबकारी मुख्य विद्युत निरीक्षणालय, भू-अभिलेख छत्तीसगढ़ नियंत्रक विधिक माप विज्ञान, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं जल संसाधन विभाग, बायलर निरीक्षणालय, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना विभाग के 90 से अधिक सेवाओं को सिंगल विंडों सिस्टम 2.0 के माध्यम से किए जाने के संबंध में जानकारी दी गई। प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र श्रीमती नेहा कंवर ने सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 के संबंध में पावर पॉइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से प्रस्तुतिकरण दी। इस दौरान उद्योगपतियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर प्रदान करने के साथ ही सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 के उपयोग के संबंध में उत्पन्न होने वाले शंकाओं का समाधान भी कार्यशाला में किया गया। कार्यशाला में श्री राजेश आदिले सहायक श्रमायुक्त श्रम विभाग, श्री राजेश सोनी ग्राम तथा नगर निवेश, श्री प्रवीण सिंह छ.ग पर्यावरण संतान विभाग, श्री जी. आर. जांगडे कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग एवं अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी/प्रतिनिधि उपस्थित रहे। साथ ही उद्योगपति/प्रतिनिधि के श्री मुरली माखिजा, श्री संतोष खरे, श्री साकेत बुधिया, श्री मुक्तेश राठौर, श्री विनय अग्रवाल निसर्स विश्वकर्मा इण्डस्ट्रीज, श्री नारायन प्रसाद अग्रवाल, श्री अखिल अग्रवाल श्री सांता सिल्ला एवं जिले के अन्य उद्योगपति, आईटीआई में अध्ययनरत अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राएं, स्टार्टअप से पंजीकृत प्रतिनिधि, बिहान योजना से जुड़ी स्वसहायता समूह की महिला उद्यमी सहित अन्य काफी संख्या में उपस्थित रहे। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ शासन वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा सिंगल विण्डों सिस्टम 2.0 का शुभारंभ 02 जुलाई 2024 को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा किया गया है। सिंगल विण्डो सिस्टम 2.0 से कार्य क्षमताओं एवं उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाने के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्रमिक पंजीयन कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर

कोरबा । छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के गठन से आज तक ऐसे पंजीकृत श्रमिक जिनके पंजीयन की वैधता समाप्त हुए 01 वर्ष या उससे अधिक का समय हो चुका है तथा उनके द्वारा पंजीयन नवकरण हेतु आज तक आवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया है, ऐसे निर्माण श्रमिकों को 31 दिसंबर 2024 तक पंजीयन/नवकरण आवेदन कर सकते हैं तथा उक्त तिथि के पश्चात् ऐसे अनवीनीकृत पंजीयनको अपंजीकृत माना जाएगा। अधिक जानकारी हेतु मुख्यमंत्री श्रमिक सहायता केंद्र 0771-3505050 में संपर्क कर सकते हैं।

एफडीएलटी भर्ती परीक्षा 25 अगस्त को

परीक्षा हेतु प्रशासनिक पर्यवेक्षक किए गए नियुक्त

कोरबा । छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा एफडीएलटी भर्ती परीक्षा 25 अगस्त 2024 दिन रविवार को सुबह 10 बजे से 12.15 बजे तक तथा दोपहर 02 बजे से 04:15 बजे तक दो पालियो में आयोजित होगी। परीक्षा हेतु कुल 12 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिसके अंतर्गत 4086 व 2951 परीक्षार्थी क्रमशः प्रथम व द्वितीय पाली में शामिल होंगें। परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु शासकीय ईव्हीपीजी महाविद्यालय रजगामार रोड कोरबा को मार्गदर्शन केंद्र बनाया गया है, जिसका दूरभाष क्रमांक 07759-221458 है।

परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु विभिन्न अधिकारी ऑब्जर्वर के रूप में नियुक्त किए हैं। जिसमें केंद्र शासकीय ईवीपीजी कॉलेज रजगामार रोड कोरबा हेतु कृषि विस्तार अधिकारी श्री पी. एल. मिरेन्द्र, निर्मला इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल रिसदी रोड हेतु अनु. अधिकारी लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उप संभाग श्री बी. पी. चतुर्वेदानी, आई.टी. बाल्को उरगा रिंग रोड झगरहा हेतु सहायक संचालक रेशम श्री बलभद्र भंडारी, सेंट फ्रांसिस इंग्लिश मीडियम स्कूल नकटीखार हेतु उप संचालक सांख्यिकी श्री एम. एस. कंवर, सेंट जेवियर पब्लिक स्कूल आईटीआई रामपुर हेतु सहायक अभियंता गृह निर्माण मंडल श्री काशी पैंकरा, न्यू ऐरा प्रोग्रेसिव स्कूल तहसील ऑफिस रामपुर हेतु सहायक अभियंता क्रेडा श्री दीपक साहू, प्रयास आवासीय विद्यालय डिंगापुर हेतु पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ डॉ. सोहम गुर्जर, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल पीडब्ल्यूडी रामपुर हेतु सहायक श्रमायुक्त श्री राजेश आदिले, निर्मला हायर सेकेण्डरी स्कूल कोसाबाड़ी हेतु सहायक अभियंता मिनीमाता बांगो बांध श्री पी. के. टोप्पो, ब्लू बर्ड पब्लिक स्कूल कोसाबाड़ी हेतु महाप्रबंधक उद्योग एवं व्यापार केंद्र श्री टी. आर. कश्यप, विद्युत गृह हायर सेकेण्डरी स्कूल क्रमांक 01 कोरबा हेतु सहायक अभियंता हसदेव बरॉज श्री एस. एन. साय, सरस्वती हायर सेकेण्डरी स्कूल सीएसईबी कोरबा हेतु अनु. कृषि अधिकारी श्री राजेश कुमार भारती को ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है। पर्यवेक्षकों हेतु ब्रिफिंग बैठक 23 अगस्त 2024 को शासकीय पी. जी. कॉलेज में आयोजित की जाएगी।

एग्रीकल्चर विषयांतर्गत एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स का होगा संचालन

कोरबा । जिले में वर्ष 2024-25 में एक वर्षीय कोर्स डिप्लोमा इन एग्रीकल्चरल एक्टेंशन सर्विस फॉर इनपुट डीलर्स का आयोजन उप संचालक कृषि (कृषि विभाग) कोरबा के द्वारा किया जा रहा है। प्रवेश लेने हेतु अभ्यर्थी की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। कोर्स का शुल्क अभ्यर्थियों को भुगतान करना होगा जो कि शासन द्वारा निर्धारित है।

उप संचालक कृषि से प्राप्त जानकारी अनुसार कोर्स के पूर्ण होने के पश्चात् अभ्यर्थी खाद, बीज एवं कीटनाशक लाइसेंस प्राप्त करने हेतु पात्र होंगे। साथ ही अभ्यर्थी खाद, बीज एवं कीटनाशक विक्रय हेतु स्वयं के व्यवसाय भी प्रारंभ कर सकते है। इच्छुक अभ्यर्थी उक्त डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश लेने व अधिक जानकारी प्राप्त करने हेतु कृषि विभाग कोरबा में संपर्क कर सकते है।

ग्राम सभा का आयोजन 31 अगस्त व 07 सितंबर को

कोरबा। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने जिले के समस्त ग्रामों में विशेष ग्राम सभा आयोजित करने हेतु आदेश जारी किए हैं। उक्त आदेश के तहत 31 अगस्त व 07 सितंबर को ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम 1993 की धारा 129 (ख) (3) के तहत ग्रामसभा में गणपूर्ति कराने का दायित्व पंच, सरपंच एवं सचिव का होगा।ग्राम सभा के एजेण्डाओं में विशेष पिछड़ी जनजाति के पात्र व्यक्ति जिनके पास आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं उनके जाति प्रमाण पत्र तथा पात्र हितग्राहियों के वनाधिकार पत्र का ग्राम सभा में अनुमोदन कराने का कार्य किया जाएगा। साथ ही शासकीय विद्यालय में अध्ययरनत् छात्र व अन्य पात्र ग्रामीण जिनके पास आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं है उनके जाति प्रमाण पत्र का ग्राम सभा में अनुमोदन कराया जाएगा।

पटाखा लाइसेंस हेतु 02 से 13 सितंबर तक आवेदन आमंत्रित

कोरबा । दीपावली पर्व को ध्यान में रखते हुए अस्थायी पटाखा लाइसेंस बनवाने के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया है। पटाखा लाइसेंस हेतु 02 सितम्बर से 13 सितंबर तक एलएसडीए मॉड्यूल के माध्यम से आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। ऑनलाइन आवेदन के पश्चात् पावती सहित आवेदन के साथ साइट मैप और स्वयं का पासपोर्ट आकार का कलर फोटो के साथ फोटो युक्त परिचय पत्र लाइसेंस शाखा में जमा करना अनिवार्य है।

उफनती नदी से दो युवको को बचाया, एसपी ने किया सम्मानित

कोरबा। अपनी जान की परवाह किए बिना रात के वक्त उफनती तान के बीच से दो ग्रामीण युवकों को सुरक्षित बाहर निकालने वाले डायल 112 के बांगो थाना में तैनात आरक्षक व चालक को पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी द्वारा पुरस्कृत किया गया है।

बांगो अंतर्गत ग्राम अधरौटी निवासी सोनू मरावी 19 वर्ष अपने साथी प्रकाश कुमार के साथ ग्राम परला साप्ताहिक बाजार गया था। खरीदारी के बाद वे गांव लौटने के लिए नवनिर्मित पुल के रास्ते तान नदी को पार कर रहे थे। इसी दौरान नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। उन्हें बाढ़ में फंसे देखकर दूसरे छोर में मौजूद ग्रामीणों ने डॉयल 112 को सूचना दी। रायपुर स्थित कंट्रोल रूप से इवेंट मिलते ही डॉयल 112 के बांगों कोबरा वन में तैनात आरक्षक रामसिंह श्याम एवं चालक नीरज पाण्डेय मौके पर पहुंचे।

आरक्षक व चालक ने अपनी जान की परवाह किए बिना ग्रामीणों को बाहर निकालने की कवायद शुरू कर दी। उन्होंने सबसे पहले नदी के दोनों छोर में ग्रामीणों की मदद से रस्सी बांध दिया। इसके बाद वे नदी में उतर गये। उन्होंने एक-एक कर नाबालिक और युवक को सुरक्षित बाहर निकाला। बाढ़ में फंसे ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकाले जाने के फलस्वरूप उत्साहवर्धन हेतु कोरबा पुलिस अधीक्षक द्वारा नगद ईनाम देकर पुरस्कृत किया गया। इस दौरान एएसपी यूबीएस चौहान व नेहा वर्मा, सीएसपी भूषण एक्का, एसडीओपी पंकज ठाकुर भी उपस्थित रहे।

जन भागीदारी समिति की अध्यक्ष बनी आरती

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा वार्ड क्रमांक -2 साकेत नगर की पार्षद, भाजपा नेत्री एवं समाज सेविका श्रीमती आरती विकास अग्रवाल को शासकीय कन्या मिनीमाता महाविद्यालय कोरबा की जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष बनायी गई हैं।कोरबा जिला प्रभारी मंत्री अरूण साव एवं कोरबा विधायक तथा प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रममंत्री लखनलाल देवांगन एवं भाजपा की वरिष्ठ नेत्री सरोज पांडे की अनुशंसा पर कलेक्टर ने नगर पालिक निगम कोरबा वार्ड क्रमांक -2 साकेत नगर की भाजपा पार्षद श्रीमती आरती विकास अग्रवाल को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार श्रीमती अग्रवाल का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने के दिनांक से दो साल के लिए प्रभावी होगा। श्रीमती अग्रवाल को यह जिम्मेदारी मिलने से क्षेत्र में हर्ष व्याप्त है।शासकीय कन्या मिनीमाता महाविद्यालय कोरबा की जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष बनाए जाने के बाद श्रीमती आरती विकास अग्रवाल ने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शासकीय कन्या मिनीमाता विद्यालय की अहम भूमिका है। यहां की कमियों को दूर कर हर संसाधन मुहैय्या कराने का प्रयास किया जाएगा। यहां हर विषय (फैकल्टी)के लिए भी प्रयास किया जाएगा।

30 अगस्त को ग्राम घिनारा में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन

कोरबा । रामपुर विधानसभा अंतर्गत ग्राम घिनारा में 30 अगस्त को जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने जनसमस्या निवारण शिविर के माध्यम से ग्रामीणों तक शासन की योजनाओं को पहुंचाने तथा उनकी समस्या का निराकरण के निर्देश दिए हैं। शिविर में आम नागरिकों की समस्याओं को सुनने के साथ ही शासन की योजनाओं का लाभ उठाने हेतु ग्रामीणों को जानकारी दी जाएगी।

गरीब बेटियों की शादी में चश्मा नहीं बनेगा बाधक

एसबीएच अस्पताल में मुफ्त इलाज से हटेगा चश्मा

कोरबा। छत्तीसगढ़ की ऐसी गरीब बेटियां जिनको किसी न किसी कारण से चश्मा लग गया है और चश्मा की वजह से उनके विवाह में अड़चन आ रही है तो ऐसे परिवार को चिन्ता करने की जरूरत नहीं है। ऐसे परिवार और बेटियों को राहत देने का बीड़ा साईं बाबा आई हॉस्पिटल ने उठाया है। इस अस्पताल के संचालक डॉ. आशीष महोबिया ने बताया कि गरीब बेटियों की आंखों से निःशुल्क चश्मा हटाने का लेजर (लेसिक) किया जाएगा। इस हॉस्पिटल में आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग की बच्चियों के लिए निःशुल्क चश्मा हटाने का लेसिक ऑपरेशन रोबोटिक टचलेस मशीन से करने का निर्णय लिया गया है। डॉ. महोबिया ने बताया कि इसके लिए अंत्योदय ग़रीबी रेखा कार्ड एवं परिवार का आयकर दाता नहीं होना अनिवार्य है। यदि बच्चियां निर्धारित मापदंडों के दायरे में आती हैं, तो उनका ऑपरेशन पूरी तरह निःशुल्क किया जाएगा।

इनके अलावा यदि बच्चियां मध्यम वर्गीय परिवार की हैं, तो उनके लिए भी हॉस्पिटल द्वारा आधे दर पर ऑपरेशन की सुविधा प्रदान की जाएगी। डॉ. आशीष महोबिया ने बताया कि आजकल की मशीनें इतनी उन्नत हो गई हैं कि वे चश्मा हटाने के ऑपरेशन की प्रक्रिया पूरी तरह दर्द रहित कर सकती हैं। मरीज़ को कोई इंजेक्शन नहीं लगता,ब्लकि ये प्रक्रिया बिना मरीज के आँखों को छुए किया जाता है। ऑपरेशन के तुरंत बाद अपने घर जा सकते हैं, मरीज की आँखों में पट्टी भी नहीं लगाना पड़ता है।

नाग निकलने से मचा हड़कंप

कोरबा। बारिश के मौसम में अक्सर कीड़े-मकौड़ों के अलावा सांप-बिच्छु जैसे जहरीले जीवों का खतरा बढ़ जाता है। ये जीव बारिश के दौरान अपने बिलों से बाहर निकलकर सुरक्षित जगहों की तलाश करते हैं। इसी कड़ी में एसईसीएल कॉलोनी डीएवी पब्लिक स्कूल कोरबा में जहरीला नाग निकलने से हड़कंप मच गया। काला नाग देखकर स्कूल के सभी लोग सकते में आ गए। स्नैक कैचर ने मशक्कत के बाद सांप को पकड़ कर जंगल में छोड़ा।जानकारी के अनुसार एसईसीएल डीएवी स्कूल में जहरीला सांप को देखकर सभी दहशत में आ गए। सूचना मिलने पर स्नैक रेस्क्यूअर गौरव गर्ग उमेश यादव मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद सांप को सुरक्षित पकड़ा।

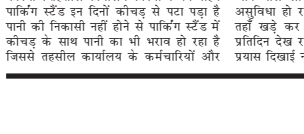

पौध रोपण कर समर्थकों ने बुगल के सेवा भावी कार्यो को किया याद

कोरबा। नगर पालिका परिषद दीपका के प्रथम अध्यक्ष एवं लोकप्रिय जन नेता स्वर्गीय बुगल कुमार दुबे के जन्म जयंती अवसर पर उनके समर्थकों के द्वारा पौधारोपण कर उनके सेवाभावी कार्यों को याद किया गया। उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय बुगल कुमार दुबे सदैव अपने जन्मदिन को सादगी पूर्वक मनाया करते थे और वह प्रतिवर्ष अपने जन्मदिन पर एक पौधा लगाकर उसे तैयार होने तक पूर्ण जिम्मेदारी से उसकी सुरक्षा करते थे उनके इसी सादगी पूर्ण एवं सेवा भा1द्व कार्यों से प्रेरणा लेते हुए आज उनके जयंती के अवसर पर पौधारोपण का कार्यक्रम उनके मित्रों द्वारा किया गया,,

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य खाद आयोग पूर्व अध्यक्ष ज्योति नंद दुबे , मनोज दुबे , सूर्य प्रकाश शर्मा, राजेंद्र साहू, आनंद चौकसे ,सुजीत सिंह, संजय सोनकर ,नवीन साहू, सत्यम यादव, दीपक दुबे, रमेश कुमार, खालिद खान , मुकेश कुमार, एवं समस्त मित्रगढ़ उपस्थित रहे।

बंद पड़े खदान में मिला लापता व्यक्ति का शव

कोरबा। जिले के बांकी मोगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बांकी 2 नंबर निवासी गोपी राम यादव बीते 19 अगस्त 2024 की रात से लापता था, परिजनों द्वारा उन्हें ढूंढने का प्रयास किया जा रहा था। इसी बीच आज उड़ती उड़ती खबर मिली कि बंद पड़े 2 नंबर अंडर ग्राउंड खदान भीतर में एक व्यक्ति का शव देखा गया है। खबर धीरे धीरे आसपास के इलाकों में फैलने लगी।जिसके बाद लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इधर एसईसीएल की टीम व पुलिस मौके पर पहुंची हुई है। कुछ लोग बता रहे है कि खदान अंदर 200 से 300 मीटर नीचे व्यक्ति का शव देखा गया है। फिलहाल शव बाहर निकालने के बाद ही वास्तविकता का पता चल पाएगा। एसईसीएल द्वारा शव को बाहर निकालने रेस्क्यू टीम खदान के भीतर भेजा जा रहा है। बताया जा रहा है की शव खदान अंदर 200 से 300 मीटर की दूरी पर हैं।

आश्रम के बच्चों को ड्रेस व किताबें वितरित

कोरबा। लायंस क्लब बालको द्वारा स्व मनीष केडिया की स्मृति में महर्षि वाल्मिकी आश्रम आईटीआई में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल और वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद नरेंद्र देवांगन शामिल हुए।

इस अवसर पर पार्षद नरेंद्र देवांगन के हाथों आश्रम के बच्चों को ड्रेस और किताबें वितरित की गई। इस दौरान पार्षद श्री देवांगन ने लायंस क्लब के सेवा कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा की दूसरों के प्रति निस्वार्थ सेवा का भाव रखना ही जीवन में कामयाबी का मूलमंत्र है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा से किसी का भी हृदय परिवर्तन किया जा सकता है। हमें अपने आचरण में सदैव सेवा का भाव निहित रखना चाहिए, जिससे अन्य लोग भी प्रेरित होते हुए कामयाबी के मार्ग पर अग्रसर हो सकें।

नेता प्रतिपक्ष व सांसद ने राज्यपाल से की सौजन्य भेंट

कोरबा। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरणदास महंत एवं कोरबा सांसद ज्योत्सना महंत ने छत्तीसगढ़ के नव नियुक्त महामहिम राज्यपाल रामेन डेका से राजभवन में सौजन्य मुलाकात की।

नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरणदास महंत ने कहा कि महामहिम रामेन डेका वर्ष 2009 की लोकसभा में साथ में सांसद रहे हैं, उनसे वर्षो पुराना परिचय रहा ह। उनकी नियुक्ति से प्रदेश में विकास की गति तेज होगी और विपक्ष को समानता का अधिकार प्राप्त होगा।

पार्किंग स्टैड में कीचड़ के साथ पानी का भराव

कोरबा । तहसील कार्यालय कोरबा में बने वाहन पार्किंग स्टैंड इन दिनों कीचड़ से पटा पड़ा है पानी की निकासी नहीं होने से पार्किंग स्टैंड में कीचड़ के साथ पानी का भी भराव हो रहा है जिससे तहसील कार्यालय के कर्मचारियों और आने वाले लोगों को अपने वाहन खड़े करने असुविधा हो रही और सभी अपने वाहन जहाँ तहाँ खड़े कर रहे हैं! समस्या को अधिकारी प्रतिदिन देख रहे हैं लेकिन समाधान करने का प्रयास दिखाई नहीं दे रहा है

सूर्यवंशी महिला मंडल ने मनाया सावन उत्सव

कोरबा। उत्सव वाटिका में सूर्यवंशी महिला मंडल ने सावन महोत्सव धूमधाम से मनाया। इसमें समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता निभाई। मुख्य अतिथि रामकली कारे (कवियित्री), अध्यक्ष गीता किरण (पार्षद) , सचिव रंजना राबिन, कमला रत्नाकर , गौरी प्रधान, जानकी खरसन, मालती सूर्यवंशी, संगीता सूर्यवंशी, गीता रत्नाकर, ललिता सूर्यवंशी, पुष्पा खरसन, मीरा सरवन, राजेश्वरी सूर्यवंशी, विनिता टाईगर, आरती कौशिक, भुनेश्वरी, जानकी खरसन रही। इस दौरान मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जानकी, पुष्पा, कमला,भुनेश्वरी ने मधुर गीत प्रस्तुत किये। ललिता, मालती, संगीता, गौरी प्रधान द्वारा सुंदर नृत्य की प्रस्तुति दी। बच्चों के नृत्य में सोनम प्रथम, मुस्कान और आन्या द्वितीय, संस्कृति प्रधान तृतीय रही। नन्हे-मुन्ने रोशनी, रजनी, सुनिधि, ऋषिका बच्चों ने गीत संगीत में मन को मोह लिया। बच्चों के खेल-कूद बलून रेस में सोनम और मौसमी प्रथम, मुस्कान किरण और आन्या किरण द्वितीय, पीहू और ऋषिका तृतीय रही। महिलाओं के खेल कूद प्रतियोगिता बलून रेस में रामकली कारे और गीता किरण प्रथम, गौरी प्रधान और आरती कौशिक द्वितीय, पुष्पा खरसन और राजेश्वरी तृतीय रही।

पानी निकासी के लिए लगाए गए पाइप में फंसकर मासूम की मौत

शिवरीनारायन। खेल मैदान में पानी निकासी के लिए लगाए गए पाइप लाइन में फंसकर मासूम की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे एवं पुलिस को मामले की सूचना दी गई है। घटना शिवरीनारायण थाना क्षेत्र के ग्राम देवरी की है। घटना के संबंध में शिवरीनारायण पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मामला गुरुवार 22 अगस्त सुबह 6 बजे की है। ग्राम देवरी निवासी मनोज अग्रवाल का डेढ़ वर्षीय मासूम पुत्र गगन अग्रवाल सुबह के समय अपने घर के पास ही स्थित खेल मैदान की ओर चला गया। इस बीच अचानक वह खेल मैदान में पानी निकासी के लिए लगाए गए पाइप लाइन में फंस गया। इधर मासूम जब काफी देर तक दिखाई नहीं दिए तो परिजन भी बच्चे की खोजबीन में जुट गए। तत्पश्चात

जब बच्चे के पाइप लाइन में फंस जाने की जानकारी हुई तो परिजन तुरंत सदमे में आ गए। वहीं घटना की जानकारी शिवरीनारायण पुलिस को दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची वही पाइप लाइन में फंसे बच्चे को किसी तरह जेसीबी एवं अन्य संसाधनों के माध्यम से बाहर निकाला गया। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला जा सका। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास गांव के लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई। वही मासूम के मृत

शरीर के शव का पंचनामा उपरांत पोस्टमार्टम की कार्यवाही के लिए अस्पताल भेजा गया। जहां पोस्टमार्टम की कार्यवाही कर सव परिजनों को सौंप दी गई पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

सक्ती जिले के ग्राम पंचायत पिहरीद सहित जांजगीर जिले में बोर में फंसकर हुई मौत एवं लोगों को पेयजल उपलब्ध कराने की उद्देश्य से सरकारी बोर खनन कर उन्हें यूं ही खुले में छोड़ दिया जाता है। उसे ढंकने की कार्यवाही पर ध्यान नहीं दिया जाता। इन सब के बावजूद लोग इस तरह से हो रही घटनाओं को लेकर सबक नहीं लेते हैं। वही शिवरीनारायण क्षेत्र के देवरी में पानी निकासी के लिए लगाए गए पाइप में फंसकर डेढ़ वर्षीय मासूम बच्चे की मौत का मामला सामने आ गया। बावजूद इसे लेकर लोग ध्यान तक नहीं देते।

मठ मंदिर में उत्सव, गोपाल का झुला रहे झूला

चांपा। नगर के बड़े मठ मंदिर में एकादशी के दिन से झूला उत्सव शुरू हुआ है, जहां यह झूला उत्सव 15 दिन तक मनाया जाता है। नगर के भक्त मठ मंदिर पहुंचकर गोपाल जी को झूला झुला रहे हैं। बड़ी संख्या में लोग मंदिर पहुंचकर भगवान के दर्शन कर झूला झुला रहे हैं।

***रिगनी-खरौद।** ग्राम पंचायत खैरताल डॉक्टरों पब्लिक स्कूल में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन गुरूवार को किया गया।

लायंस क्लब ने विद्यार्थियों को किया पाठ्य सामग्री का वितरण

चांपा। स्थानीय समाज सेवी संस्था लायंस क्लब द्वारा बुधवार 21 अगस्त को शासकीय प्राथमिक शाला तिलक नगर चांपा में कक्षा पहली से लेकर कक्षा पांचवीं तक के जरूरतमंद 55 विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। वितरित पाठ्य सामग्री में कॉपी, पेन, कंपाक्स बॉक्स सहित मिठाईयां शामिल थी। तिलक नगर स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में पाठ्य सामग्री वितरण की शुरूआत भारत माता की जय के उद्घोष के साथ की गई। इस मौके पर लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन रामप्रपन्न देवांगन ने शाला के अनुशासन की प्रशंसा करते हुए कार्यक्रम में सहयोग के लिए सभी को धन्यवाद दिया। लायंस क्लब शिक्षण समिति के चेयरमेन लायन गिरधारी लाल अग्रवाल ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को लगन के साथ पढाई करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके बाद शाला के विद्यार्थियों में पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। अंत में आभार प्रदर्शन लायंस क्लब के प्रथम उपाध्यक्ष लायन खूबचंद देवांगन ने किया। कार्यक्रम में लायंस क्लब अध्यक्ष रामप्रपन्न देवांगन, जोन चेयरपर्सन राजेश अग्रवाल, लायंस क्लब शिक्षण समिति के चेयरमेन गिरधारी लाल अग्रवाल, सी. ए. सुरेश अग्रवाल, बैजनाथ देवांगन, खूबचंद देवांगन, वासुदेव देवांगन के अलावा शाला के शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

बलौदा बाजार हिंसा मामले में सरकार विपक्षी नेताओ को कर रही टारगेट: राघवेन्द्र

जांजगीर-चांपा । प्रदेश के बलौदा बाजार में हुए हिंसा के मामले को लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार विपक्ष के नेताओ को टारगेट कर रही है। पूरे मामले को लेकर न्याय संगत कार्यवाही होनी चाहिए। प्रदेश मे बिगडती कानून व्यवस्था के लिए भाजपा सरकार दोषी है। उक्त बाते कल सर्किट हाऊस जांजगीर में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान दोनों विधायक ने कही।

जिला मुख्यालय जांजगीर के सर्किट हाऊस में गुरूवार 22 अगस्त को बलौदा बाजार मामले को लेकर प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान विधायक द्वय अकलतरा राघवेन्द्र कुमार सिंह एवं जांजगीर चाम्पा विधायक ब्यास कश्यप ने कहा कि प्रदेश के बलौदा बाजार में हुए हिंसा मामले को लेकर साय सरकार विपक्ष के नेताओ को परेशान कर रही है। कांग्रेस के विधायक को

गिरफ्तार करना भाजपा की बौखलाहट को दर्शाता है। हिंसा मामले को लेकर न्याय संगत कार्यवाही होनी चाहिए। बलौदा बाजार में हुए आगजनी की घटना शासन प्रशासन की लापरवाही को उजागर कर रही है। राघवेन्द्र सिंह एवं ब्यास कश्यप ने हिंसा मामले में कार्यवाही को लेकर बलौदाबाजार पुलिस की कार्यवाही पर भी सवाल उठाए है। उन्होंने कहा कि इतनी बडी घटना होने के बाद भी भीड को रोकने की कोशिश क्यो नहीं की गई। पूरे मामले को लेकर बलौदा बाजार कलेक्टर एवं एसपी की भुमिका की भी जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस दौरान विधायक द्वय अकलतरा प्रदेश के बलौदा बाजार में हुए हिंसा मामले को लेकर साय सरकार विपक्ष के नेताओ को परेशान कर रही है। भिलाई विधायक बलौदा बाजार में न भाषण दिए और न ही कलेक्ट्रोरेट आफिस के प्रदर्शन में शामिल हुए इन सब के बावजूद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। प्रेसवार्ता के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिनेश शर्मा पालिका अध्यक्ष भगवानदास गढेवाल, रमेश पैगवार, , विवेक सिसोदिया, रफिक सिदिकी, प्रिंस शर्मा, राईस किंग खुंटे, संदीप यादव, गोविंद कश्यप, चिंताराम कश्यप,रफीक खान उपस्थित थे।

एसडीएम की गाड़ी कुर्क हुई तो सात दिनों में ही हो गया मुआवजे का इंतजाम

जांजगीर-चांपा। केएसके महानदी (वर्धा पॉवर प्लांट) में जमीन अधिग्रहण के बाद प्राप्त मुआवजा से असंतुष्ट भू स्वामी की याचिका पर सुनवाई करते। हुए माननीय न्यायालय ने जिला प्रशासन सहित भू अर्जन अधिकारी को संबंधित पक्षकार को । करोड़ 37 लाख मुआवजा देने का आदेश दिया था, लेकिन जिले का जिम्मेदार प्रशासनिक अमला 7 सालों तक सोता रहा। हद तो तब हो गई जब न्यायालय ने अभी 4 महीने पहले प्रशासन के अधिकारियों को कड़े पत्र लिखे और राशि भुगतान को लेकर कुर्की करने की चेतावनी दी गई। बावजूद इसके अफसरों की कुंभकर्णी निंद्रा नहीं टूटी। इस दौरान न्यायालय ने सख्त तेवर अपनाए और एसडीएम की गाड़ी कुर्क कर ली तथा जिला प्रशासन की गाड़ियों सहित जमीन नीलाम करने कड़ा तो अधिकारी नींद से जागे। स्थिति यह बनी कि तीन दिनों में ही सप्ताह भर के के भीतर ही पूरी राशि जमा कराने की तैयारी हो गई। गौरतलब है कि केएसके महानदी वर्धा पॉवर प्लांट में भू अधिग्रहण से प्राप्त मुआवजा पर असंतोष जाहिर करते हुए पक्षकार सुरेखा सिंह ने न्यायालय की शरण ली थी। भू अर्जन के दौरान निर्धारित राशि को अत्यंत कम बताते हुए

जिला प्रशासन की लापरवाही के कारण शासन के खाते से जमा हो रहा 1 करोड़ 37 लाख रूपये का न्यायालय से कुकर्की आदेश लेकर पहुंचे न्यायालयीन कर्मचारी से जिला प्रशासन के मुखिया ने मुलाकात तक नहीं की। जिला अधिकारी के इस अड़ियल रवैये को देखते हुए न्यायालय ने सख्ती बरती और कोर्ट पहुंची एसडीएम की गाड़ी को वहीं जब्त करवा दिया। यहीं नहीं राशि जमा नहीं होने पर कलेक्टोरेट की जमीन च अन्य 5 गाड़िया कुर्क करने की कार्रवाई तत्काल करने को आदेश दिए। तब जाकर जिला प्रशासन को न्यायालय के अधिकार का मान हुआ और 7 दिनों के भीतर ही पूरी कुआवजा राशि न्यायालय के खाते में जमा करने का इंतजाम किया गया।प्रबंधन को परवाह नहीं, सरकारी खजाने से हो रहा भुगतान जिले में जिला प्रशासन के जिम्मेवार अफसरों के लापरवाही और अदूरदर्शिता का परिणाम जिलेवासियो को भुगतना पड़ रहा है। आकड़ों की जादूगिरी और वाह वहाँ लूटने की चाह में जहा प्रशासनिक कसावट का अभाव देखा जा रहा है. तो वहीं आम जनता से भी दूरी बन रही है। इधर जिला गठन के ढाई दशक में पहली बार प्रशासन की गाड़ी कुर्क होने का दाम और लग गया। खास बात यह है कि इस मामले में उद्योग की जगह सरकारी खजाने से मुआवजा देना पड रहा है।

अपनी जमीन की कीमत ज्यादा बताई थी। इस प्रकरण में सुनवाई करने के पश्चात जिला न्यायालय ने भू स्वामी को 1 करोड़ 37 लाख रुपए का मुआवजा भुगतान करने का आदेश दिया था। बताया जाता है कि यह प्रकरण वर्ष 2011 में शुरू हुआ था। जिसमें वर्ष 2016 में मुआवजा भुगतान करने का आदेश हुआ था, लेकिन अफसरों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। इधर न्यायालय के आदेश के बावजूद मुआवजा भुगतान नहीं होने से क्षुब्ध भू स्वामी ने माननीय न्यायालय में अपना पक्ष रखा। जिस पर न्यायालय ने इसे गंभीरता से लिया और प्रशासन को मुआवजा दिलाने के आदेश दिए। फिर भी जिला अधिकारियों की नींद नहीं खुली।

इधर न्यायालय के आदेश के परिपालन नहीं होने पर बीते मई महीने में न्यायालय ने मुआवजा भुगतान नहीं होने पर जिला प्रशासन की 6 गाड़ियों समेत कलेक्टर कार्यालय की जमीन कुर्क करने की चेतावनी दी। इस आदेश को भी अफसरों को हल्के में लिया। इसके बाद न्यायालय के अधिकारी 16 अगस्त को जिला न्यायालय के कुर्की आदेश का परिपालन कराने न्यायालय के कर्मचारी कलेक्टोरेट पहुंचे तो प्रशासन का पक्ष रखने जांजगीर एसडीएम न्यायालय पहुंची। इस दौरान न्यायालय ने उनकी गाड़ी को जब्त कर लिया। न्यायालय के आदेश पर मुआवजा राशि भूगतान करने की प्रक्रिया चल रही रही है। अभी शासन के खाते से राशि जमा करेंगे। भुगतान शीघ्र हो जाएगा।

-एस.पी. वैद्य,
अपर कलेक्टर
जांजगीर-चांपा

जैजैपुर नाका चौक से बाराद्वार बस्ती तक सड़क बदहाल

बाराद्वार। जैजैपुर मुख्य मार्ग में जैजैपुर नाका चौक से ग्राम बाराद्वार बस्ती तक सड़क पूरी तरह से उखड़ गई है। अब सड़क पर केवल बड़े-बड़े गड्ढे व गिट्टी नजर आ रही है। इससे लोगों को परेशानी हो रही है। आए दिन बाइक चालक फिसल कर गिर रहे हैं। बारिश के कारण गड्ढे में पानी भरा हुआ है। सड़क पर कीचड़ होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। जैजैपुर मुख्य मार्ग में हमेशा भारी वाहनों का आवागमन होती है। इसके कारण सड़क पर हमेशा धूल उड़ती रहती है। बारिश के मौसम में पूरा मार्ग कीचड़ से सराबोर हो गया है। लोगों को आवाजाही करने में परेशानी हो रही है।

वाहनो के अधिक दबाव के कारण सड़क उखड़कर गई है। केवल गिट्टी बच गई है। गड्ढों में भरे पानी के साथ कीचड़ ही दिखाई दे रहा है। जैजैपुर नाका चौक के पास रहने वाले लोगों व दुकान संचालकों को दिनभर उड़ती धूल के कारण परेशानी हो रही है। पीडब्ल्यूडी के जिम्मेदार अधिकारी द्वारा सड़क मरम्मत करवाने ध्यान नहीं दिया जा रहा है। क्षेत्र के लोगों ने पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों से जैजैपुर नाका चौक से ग्राम बाराद्वार बस्ती व शिवांश पेट्रोल पंप तक सड़क मरम्मत मरवाने की मांग की है।

कबड्डी खेलने के बाद छात्र की मौत

पामगढ़। कबड्डी खेलने के बाद ऋषभ विद्योदय महाविद्यालय बनाहिल के एक छात्र की मौत हो गई। उसे पीएम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पामगढ़ ले जाया गया। पामगढ़ पुलिस ने मर्ग कायम किया है। मुलमुला थाना क्षेत्र के ग्राम झलमला निवासी युवराज सिंह गोंड (20) वर्ष पिता सरोज गोंड ऋषभ विद्योदय महाविद्यालय बनाहिल का छात्र था।

महाविद्यालय में इन दिनों खेलकूद का आयोजन किया जा रहा है। गुरूवार को महाविद्यालय में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय का छात्र युवराज सिंह गोंड भी शामिल था। कबड्डी मैच खेलने के बाद वह बाथरूम गया जहां उसने अचानक बहुत जोर से चिल्लायाऔर जब अन्य छात्र दौड़े तब तक वह बेहोश होकर वहीं गिर गया। ऋषभ विद्योदय महाविद्यालय बनाहिल के एक छात्र को तबीयत बिगड़ने पर उपचार के लिए उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पामगढ़ लाया गया था। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मर्ग कायम किया गया है।

मनोहर सिन्हा,थाना प्रभारी, पामगढ़

14 साल बाद किसानों को मिला जमीन का मुआवजा

जैजैपुर। वर्ष 2010 में मुक्ता सेमरिया के मध्य सोन नदी पर निर्मित पूल एवं एनिकट निर्माण में प्रभावित किसानों को मुआवजा भाजपा के वरिष्ठ नेता जय शुक्ला की पहल से मिला। मुआवजा राशि का चेक आशा किरण स्वयंसेवी संस्था के अध्यक्ष शशांक दुबे ने गांव जाकर किसानों को वितरित किया।

मुआवजा प्राप्त करने के बाद किसानों ने कहा कि वे उम्मीद छोड़ चुके थे। हमारी अधिगृहित भूमि के बदले मुआवजा का भुगतान होगा या नहीं परंतु साल भर पूर्व भाजपा के वरिष्ठ नेता जय शुक्ला ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लिया और तत्कालीन कलेक्टर एवं मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर किसानों को यथाशीघ्र मुआवजा दिए जाने की मांग की थी।

दुबे ने निस्वार्थ भाव से लगातार विभागीय अधिकारियों से एवं राजस्व अधिकारियों से अपना संपर्क बनाए रखा एवं किसानों को शीघ्र मुआवजा दिए जाने चर्चा करते रहे। अधूरे दस्तावेजों को पूर्ण कराने कार्यालय में चक्कर लगाते रहे। अंततः राजस्व अधिकारी एवं लोक निर्माण सेतु विभाग के अधिकारियों के सहयोग से कार्य पूर्ण हुआ और किसानों को 14 वर्षों बाद मुआवजा राशि का भुगतान किया गया ।

एक पेड़ मां के नाम अभियान ग्राम पंचायतों में हुआ पौधेरोपण

जांजगीर-चांपा। जिले में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आज जिले में एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में पौधरोपण किया गया। इसके साथ ही नागरिक ने पौधे के साथ तस्वीर लेकर उसे https://merilife.nic .in में अपलोड भी किया। जिले में एक पेड़ मां के नाम अभियान के माध्यम से पर्यावरण को संरक्षित और सुरक्षित बनाने का कार्य नरेगा व अन्य क्रियान्वयन एजेंसी वन विभाग, उद्यानिकी, रेशम, वाटरशेड के समन्वय से वृहद पैमाने पर किया जा रहा है।

मुख्य आरोपी सहित 4 को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जांजगीर। पुलिस पर हमला करने वाले फरार मुख्य आरोपी सहित 4 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। साथ ही नगर में आरोपियों का जुलूस निकाला गया।

पुलिस के अनुसार 18 अगस्त को घायल शैलेन्द्र कुर्रे एवं परिजनों को थाना बलौदा द्वारा डाक्टरी मुलाहिजा कराने शासकीय अस्पताल बलौदा से वापास आ रहे थे। दोपहर करीब 2.40 बजे रास्ते में मुख्य आरोपी विवेक साण्डे निवासी ग्राम बिरगहनी द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ आरक्षक का मोटर सायकल को रोकवाकर शैलेन्द्र को गाली-गलौच करते हुए मारपीट करने लगे। मारपीट करने से आरक्षक गोवर्धन द्वारा मना किया तो उसको भी गाली-गलौच करते हुए मारपीट करने लगे। आरक्षक द्वारा अपनी बचाव के लिए घटना के संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक वैष्णव को बताया। इसके बाद तत्काल थाना प्रभारी और अन्य स्टाफ घटना स्थल गया तो देखे कि आरोपी संतानु साण्डे अपने अन्य साथियों के साथ घायल शैलेन्द्र कुर्रे को मारते हुए बजरंग चौक की ओर आ रहे थे। तभी थाना बलौदा प्रभारी द्वारा बीच-बचाव किया तो उसे भी गाली-गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट कर फरार हो गए। आरोपियों की पतासाजी के लिए थाना स्तर से तत्काल टीम गठित किया गया। विवेचना दौरान फरार आरोपियों की लगातार पतासाजी की जा रही थी। इसी क्रम में मुखबीर सुचना मिली की आरोपी विवेक साण्डे पिता मोहित राम साण्डे (25) निवासी बिरगहनी थाना बलोदा, लब साण्डे पिता मोहित राम साण्डे (36) थाना बलौदा निवासी विरगहनी, दीपांशु साण्डे पिता सत्यनारायण साण्डे (20) निवासी बिरगहनी थाना बलौदा, दिलेश्वर साहू उर्फ चिंटु पिता सुरेश साहू (25) निवासी जावलपुर थाना बलौदा को घेराबंदी कर पकड़ा। जिसको घटना के संबंध में पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किया गया।

इसके बाद नगर में आरोपियों का जुलूस निकाला गया। साथ ही आरोपियों ने कहा कि अपराध करना पाप है, पुलिस हमारी बाप है। आरोपियों के खिलाफ धारा 121 (1) 132, 221, 191 (2) 296, 351 (2) 115 (2) 324 बीएनएस के तहत कार्रवाई कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।अन्य आरोपियों की तलाश जारी बलौदा थाना प्रभारी अशोक वैष्णव ने बताया कि प्रकरण में अन्य आरोपीगण फरार हैं। जिसकी लगातार पतासाजी की जा रही है। मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। प्रकरण में गुण्डा बदमाश आरोपी संतानु साण्डे को पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा जा चुका है।

बंगाल के मूर्तिकार गणेश प्रतिमा को दे रहे स्वरूप

बाराद्वार। गणेश उत्सव के अब कुछ ही दिन शेष हैं। 7 से 16 सितंबर तक गणेशोत्सव मनाया जाएगा।

बाराद्वार में गणेशोत्सव धूमधाम से मनाने के लिए भक्त तैयारियों में जुट गए हैं। बंगाल से आए मूर्तिकार गणेश प्रतिमाओं को आकार देने में दिन-रात लगे हुए हैं। विभिन्न गणेशोत्सव समिति की ओर से नगर के गली-मोहल्लों में 15 से अधिक जगहों पर सार्वजनिक रूप से गणेश जी की स्थापना की जाएगी। इसकी तरह घरों में गणेश जी की मूर्ति की स्थापना कर 10 दिनों तक भक्त पूजा-अर्चना करेंगे। कोलकाता (पश्चिम बंगाल) के मूर्तिकार राजीव पाल अपने साथी मूर्तिकारों के साथ स्थानीय काली मंदिर के पास खाली स्थान में टेंट लगाकर दो महीने पहले से मिट्टी की गणेश प्रतिमाओं को आकार देने में जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि कई पिछले वर्षों से वे बाराद्वार आ रहे हैं। यहां मिट्टी की मूर्तियां बनाकर ही रोजी-रोटी कमाकर वापस लौटते हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष वे करीब 150 छोटी गणेश मूर्तियां(सांचे वाली) और 3 से 6 फिट की 45 बड़ी मूर्तियां को आकार देने में जुटे हुए हैं।

सदर बाजार में सदर बाग के राजा विराजेंगे

चांपा। संकल्प परिवार सदर बाजार द्वारा विगत 25 वर्षों से लगातार चांपा के सदर बाजार में भव्य रूप गणेश स्थापना होती हैं। इसी संदर्भ में 21 अगस्त को आगामी 7 सितंबर को गणेश चतुर्थी हैं, जिसमें सदर बाग के राजा के आगमन की तैयारी के लिए बैठक हुई। इसमें भटगांव से भव्य 8 फीट की मूर्ति, भव्य पंडाल, साउंड व लाइट के साथ महाआरती, 56भोग, बच्चों के कार्यक्रम कराने के साथ गणेशजी की प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर समिति के सभी प्रमुख सदस्य धीरेन्द्र बाजपेयी, सुनील सोनी, संजय थवानी, डॉ. अजय थवानी, सीए पंकज चंदानी, शैलेन्द्र अग्रवाल, मयंक तिवारी, अजय खूबवानी, किशन मित्तल, विशाल धमेचा, धीरेन्द्र जलान, पराग गुप्ता, बद्दू सेन व नरेन्द्र शर्मा आदि मौजूद थे।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं हेमंत चंद्रशेखर पुन्डलिक (HEMANT CHANDRASHEKHAR PUNDLIK) उम्र-62 वर्ष पिता-स्व. चन्द्रशेखर पुन्डलिक (CHANDRASHEKHAR PUNDLIK) निवासी-प्लॉट नं.66 कोसाबाड़ी कोरबा जिला कोरबा छ.ग. का होकर शपथपूर्वक निम्न कथन करता हूं:-

यह कि मैंने अपना पुराना नाम हेमंत कुमार (HEMANT KUMAR) को त्याग कर नया नाम हेमंत चंद्रशेखर पुन्डलिक (HEMANT CHANDRASHEKHAR PUNDLIK) पिता स्व. चन्द्रशेखर पुन्डलिक (CHANDRASHEKHAR PUNDLIK) रख लिया है। अत: मुझे समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम हेमंत चंद्रशेखर पुन्डलिक (HEMANT CHANDRASHEKHAR PUNDLIK) पिता स्व. चन्द्रशेखर पुन्डलिक (CHANDRASHEKHAR PUNDLIK) के नाम से ही जाना पहचाना जाये। शपथपत्र उपरोक्त आशय के समर्थन में निष्पादित किया गया है, जिसे संबंधित कार्यालय में प्रस्तुत करना है।

हेमन्त चंद्रशेखर पुन्डलिक
प्लाट नं.66, कोसाबाड़ी, कोरबा

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी एवं तहसीलदार जांजगीर जिला-जांजगीर चांपा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

क्रमांक/ /तह./वा./जन्म-मृत्यु/2024 जांजगीर, दिनांक / /2024

रा.प्र.क्र.- /ब-121/2023-24
ग्राम-धाराशिव

मृत्यु प्रमाण पत्र

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम धाराशिव को सूचित किया जाता है कि आवेदक तोताराम पिता रम्मन साकिन ग्राम-धाराशिव, तहसील-जांजगीर, जिला-जांजगीर चांपा (छ.ग.) द्वारा प.ह.नं. ..... ग्राम धाराशिव में अपने चाचा बनाऊ के मृत्यु दिनांक 12.08.1990 को होने से मृत्यु पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वह अपना दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी सुनवाई दिनांक .../.../2024 के पूर्व प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत दिनांक के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार न करते हुए आवेदक के आवेदन पर मृत्यु पंजीयन की कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 20.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — कार्यपालिक दण्डाधिकारी जांजगीर

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी एवं तहसीलदार जांजगीर जिला-जांजगीर चांपा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

क्रमांक/ /तह./वा./जन्म-मृत्यु/2024 जांजगीर, दिनांक / /2024

रा.प्र.क्र.- /ब-121/2023-24
ग्राम-धाराशिव

मृत्यु प्रमाण पत्र

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम धाराशिव को सूचित किया जाता है कि आवेदक तोताराम पिता रम्मन साकिन ग्राम-धाराशिव, तहसील-जांजगीर, जिला-जांजगीर चांपा (छ.ग.) द्वारा प.ह.नं. ..... ग्राम धाराशिव में अपने/अपनी पंचराम के मृत्यु दिनांक 23.03.1995 को होने से मृत्यु पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वह अपना दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी सुनवाई दिनांक .../.../2024 के पूर्व प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत दिनांक के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार न करते हुए आवेदक के आवेदन पर मृत्यु पंजीयन की कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 20.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — कार्यपालिक दण्डाधिकारी जांजगीर

नाम परिवर्तन सूचना

एतद् द्वारा घोषित किया जाता है कि मैं पवन कुमार सारथी निवासी सीतामणी निवासी कोरबा का प्रेम विवाह दिनांक 21.02.2023 को स्नेहा मजूमदार से सर्वमंगला मंदिर में हुआ है। इस विषय में मेरे द्वारा श्रीमान नोटरी जिला कोरबा के समक्ष शपथ पत्र भी निष्पादित किया है। मैं मेरी पत्नी का सरनेम बदलकर सारथी करना चाहता हूं। यह सूचना इस संदर्भ में प्रसारित की जाती है कि मेरी पत्नी को पुराने नाम के स्थान पर अब स्नेहा सारथी के नाम से जाना-पहचाना और पढ़ा-लिखा जाए।

सूचनाकर्ता
पवन कुमार सारथी
सीतामणी, कोरबा

दो संगठनों ने नगर में निकाली गई सामाजिक न्याय यात्रा

जांजगीर चांपा। कल कचहरी चौक जांजगीर में सतनामी समाज के लोगों द्वारा तथा भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं द्वारा संयुक्त रूप से सामाजिक न्याय यात्रा निकल गई जो कचहरी चौक में एकत्र होकर एसडीएम कार्यालय जाकर ज्ञापन सौंपा उनकी मांग यह है कि बलौदाबाजार के अमरगुफा छातापहाड़ में जैतखाम काटे जाने के पीछे क्या षड्यंत्र है उसकी सीबीआई जाँच होना चाहिए।

बलौदाबाजार में हुए आंदोलन में उपद्रव अगजनी जैसी घटना की सीबीआई जाँच होना चाहिए।

बलौदा बाजार में जैतखाम के सम्मान में हुए आंदोलन में गिरफ्तार निर्दोष लोगों को निशर्त रिहा किया जाए। प्रदेश सरकार से प्रमोशन में आरक्षण को लागू किया जाए। जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारी नियम के तहत जातिवाद जनगणना की जाए।

उन्होंने मांग रखते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में दैनिक मजदूरी को बढ़ाकर न्यूनतम 700 रूपये किया जाए।प्रदेश में नि:शुल्क

शिक्षा की जाए (शिक्षा का विभाजन न करके समान शिक्षा नियम लागु किया जाए)।

प्रदेश में निजीकरण के नाम पर सरकारी प्रतिष्ठानों को बेचने के खिलाफ। निजीकरण के सहारे आरक्षण समाप्त करने के षड्यंत्र के खिलाफ। मण्डल कमिशन की अनुशंसाओं को पूर्णत: लागू किया जाये एवं ओबीसी में लगे असंवैधानिक को समाप्त हो।

प्रदेश में अल्पसंख्यकों के ऊपर हो रहीं मओब्लिचिंग के खिलाफ कानून बनाकर रोक लगाई लाए।गरीबी रेखा से निचे आनेवाले परिवारों को जीएसटी से मुक्त किया जाए।

साथियों, छत्तीसगढ़ में आज आरक्षित वर्ग का हित जरूरत एवं तकलीफों को ध्यान में रखकट आवश्यक ज्वलंत मुद्दों को लेकर मान. एड. चंद्रशेखर आज़ाद जी, मान. विनय रतन सिंह जी नेतृत्व में जैतखाम के सम्मान में सामाजिक न्याय यात्रा व विशाल जनसभा का आयोजन किया जा रहा है। जैतखाम के सम्मान - सामाजिक न्याय यात्रा दिनांक 16 अगस्त 2024 से जिला बलौदाबाजार, गिरोधपुटी से प्रारम्भ होकर गंपूर्ण छत्तीसगढ़ में जिला मुख्यालय व संभाग मुख्यालय से पैदल मार्च करते हुए 31 अगस्त 2024 को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में स्थान साइंस कॉलेज मैदान में समापन किया जाएगा। मौके पर पुलिस प्रशासन द्वारा किसी अपनी घटना ना घटे इसके लिए सुरक्षा के ठोस प्रबंध किए गए थे।

अनमोल वचन......

कठिन समय के दौरान लिए गए सही निर्णय ही आपको परिपक्व बनाते हैं।

देशभर के डॉक्टर गुस्से में

कोलकाता में मशहूर अस्पताल में अगर महिला डॉक्टर सुरक्षित नहीं हैं, तो क्या उसकी सीधी जिम्मेदारी राज्य सरकार एवं उसके प्रशासन पर नहीं आती। इस सवाल का सीधा उत्तर देने के बजाय उग्र बातें करना कोई समाधान नहीं हो सकता। कोलकाता को अपने 'निर्भया क्षण' से गुजरना पड़ रहा है। वहां के मशहूर आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की एक डॉक्टर के साथ बलात्कार और फिर उनकी हत्या के मामले ने सारे देश को झकझोर दिया है। सोमवार को देश भर में डॉक्टरों ने विरोध दिवस मनाया। लोगों के भड़के गुस्से के कारण मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपनी पुलिस को चेतावनी देनी पड़ी है कि हफ्ते भर के अंदर उसने मामला नहीं सुलझाया, तो वे जांच सीबीआई को सौंप देंगी। उधर उनके भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख नेता अभिषेक बनर्जी ने तो मांग कर दी है कि ऐसे जुर्म में शामिल अपराधियों को एनकाउंटर करने का कानून बनाया जाना चाहिए। उनका एनकाउंटर करने से मतलब शायद यही है कि जिस पर मुजरिम होने का शक हो, उसे सीधे गोली मार दी जाए। भारत में पिछले डेढ़ दशक से बनी राजनीतिक संस्कृति में ऐसी बातें स्वीकार्य हो गई हैं। वरना, इस तरह की सोच कानून के राज के मूलभूत सिद्धांत के विरुद्ध हैं और अक्सर ऐसी बातें प्रशासनिक नाकामी पर परदा डालने के लिए कही जाती हैं। मुद्दा यह है कि अगर कोलकाता में एक महिला डॉक्टर सुरक्षित नहीं है, तो क्या उसकी सीधी जिम्मेदारी राज्य सरकार एवं उसके प्रशासन पर नहीं आती है। इस सवाल का सीधा उत्तर देने के बजाय उग्र बातें करना कोई समाधान नहीं हो सकता। गौरतलब है कि आरजी कार मेडिकल कॉलेज पश्चिम बंगाल के सबसे बड़े अस्पतालों में से एक है। 26 एकड़ में फैले इस अस्पताल में मरीजों को भर्ती करने के लिए 1200 बिस्तर हैं, जबकि ओपीडी में औसतन 2500 मरीज़ रोजाना आते हैं। इसके अलावा इमरजेंसी विभाग में भी एक हज़ार से अधिक मरीज़ रोज पहुंचते हैं। मगर वहां डॉक्टर तक सुरक्षित नहीं हैं। लाजिमी है कि इस घटना के बाद से देशभर के डॉक्टर गुस्से में हैं। सोमवार तक इस मामले में पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ़्तार किया गया था। गिरफ़्तार अभियुक्त सीधे तौर पर अस्पताल से नहीं जुड़ा है। वह कोलकाता पुलिस के साथ काम करने वाला एक वॉलंटियर रहा है। जाहिर है, कोलकाता पुलिस नाराजगी के निशाने पर है।

राशिफल

मेष राशिःआज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपके बिजनेस की गति धीमी रहने के कारण आप परेशान रहेंगे। आज आलस और सुस्ती अपने ऊपर हावी न होने दें और समय की कीमत को पहचानिए। नजदीकी रिश्तों में स्वार्थ की भावना नजर आएगी। कोई पुरानी जायदाद संबंधित समस्या उठ सकती है।

वृष राशिःआज का दिन खुशियां लेकर आया है। आज किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए। याद रखिए अगर समय की कदर नहीं करेंगे, तो इससे आपको ही नुकसान होगा। अपनी सकारात्मक सोच को सार्थक कामों में लगायेंगे तो आपकी रचनात्मक प्रतिभा सबके सामने खुलकर आएगी, लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ जायेगा।

मिथुन राशिःआज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपका कोई काम समय से पूरा ना होने के कारण आपको थोड़ी समस्या होगी। आज आपकी योग्यता लोगों के सामने आएगी, इसलिए लोगों की परवाह न करके अपने कार्यों पर ध्यान रखें। राजनीतिक कामों में हाथ आजमा रहे लोगों को आज किसी बड़े पद की प्राप्ति हो सकती है।

कर्क राशिःआज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। जो लोग नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में दिए गए कार्यों को समय पर पूरा करना होगा। उच्च अधिकारियों द्वारा आपको शुभ समाचार की प्राप्ति होगी7 व्यवसाय कर रहे लोग नई-नई योजनाओं को लागू करेंगे, जिससे व्यापार को आगे बढ़ा सके। आज शांत और तनाव रहित रहे 7 महिलाओ को घर के कार्यो से राहत मिलेगी। आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा ।

सिंह राशिःआज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। परिवार का सहयोग मिलेगा। परिवार के सभी लोग मिलकर किसी धार्मिक स्थान पर घूमने जाने की योजना बनाएंगे। नौकरी कर रहे लोगों को अपनी नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। जीवन साथी को आप कोई नया कार्य शुरू करा सकते हैं।

कन्या राशिःआज का दिन आपके लिए ख़ास रहने वाला है। आज किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहने वाला है। किसी कानूनी मामले में भी आज आपको जीत मिलने के योग बन रहे है। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई पर फोकस बनाए रखना होगा। संतान से आपको किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है लेकिन जल्द ही सब ठीक होगा।

तुला राशिःआज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आप ऑफिस में बॉस द्वारा दिये गये काम को अपनी पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ करेंगे तो आपका इन्क्रीमेंट हो सकता है। इस राशि के छात्रों के अंदर कॉम्पिटिशन के प्रति जागरूकता पैदा होगी। आज किसी जरूरतमंद की मदद करने का मौका मिलेगा। आज अपने व्यस्तता से भरे माहौल से थोड़ा समय निकालकर अपने लिए परिवार के लिए निकालेंगे तो खुशियाँ बढ़ेगी।

वृश्चिक राशिःआज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज परिवार वालों की सलाह आपके लिये महत्वपूर्ण रहेगी। आज आपके भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। छात्र आज कुछ नया करने की कोशिश करेगे, आपको अपने दिनचर्या में कुछ बदलाव करने की जरुरत है। ऑफिस में किसी महत्वपूर्ण मामले पर कुछ खास लोगों से बातचीत करने का मौका मिलेगा, आपको इसका पूरा फायदा उठाना चाहिए।

धनु राशिःआज का दिन आपके लिए समान्य रहेगा। आज आपके विरोधी भी आपके काम की सराहना करेंगे। आज आप अपनी बुद्धिमानी से सब काम संभाल लेंगे। नौकरी करने वाले लोगों को सहयोगीयो से मदद मिलेगी जिससे आपका कार्य जल्दी पूरा हो जायेगा। आज आपको बिजनेस के सिलसिले से राज्य से बाहर जाना पड़ सकता है। माता-पिता के आशीर्वाद से किया गये काम में आपको सफलता मिलेगी।

मकर राशिःआज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप किसी समारोह में शामिल होंगे आपकी उपस्थिति को महत्त्व मिलेगा। आज आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जिससे आपको प्रभावित होंगे। अगर आपका पैसा कहीं फसा है तो उसे हासिल करने के लिए आज अच्छा दिन है। आज किसी भी अनजान व्यक्ति पर ज्यादा विश्वास न करें, आपको नुकसान हो सकता है।

कुंभ राशिःआज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट आज अपनी पढ़ाई में विशेष ध्यान देंगे जल्द ही आपकी सफलता के योग बन रहे हैं। स्पोर्ट्स से जुड़े लोग अपने कोच से कुछ नया सीखेंगे और अपना अच्छा परफॉरमेंस देंगे कोरियर का बिजनेस कर रहे कारोबारियों को आज फायदा मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोगों का आज समाज में दबदबा बना रहेगा।

मीन राशिःआज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप अपने आप को काफी तरोताजा महसूस करेंगे, जिससे आप अपने सभी कार्यों को समय पर पूरा करने में सफल होंगे। आज का दिन आनंद से भरा रहेगा, आप जिंदगी को पूरी तरह जिएंगे। आज लंबे समय से कर्जा आदि से आखिरकार आपको छुटकारा मिल जाएगा। दोस्त शाम के लिए कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन खुशनुमा कर देंगे।

भारतीय संस्कृति की वाहक है लोकगाथाएं

//प्रो. साकेत कुशवाहा//

लोककथाएं और लोकपरम्पराएं किसी भी सभ्यता और संस्कृति की अभिव्यक्ति होती है क्योंकि इनके माध्यम से पूर्ववत चली आ रही सामाजिक धरोहर को आगामी पीढ़ी को कई गतिविधियों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाता है । भारत लोककथाओं से सम्पन्न देश है जिसमें प्रत्येक क्षेत्र और उस क्षेत्र के निवासियों की अलग-अलग लोककथाएं है जिनका स्मरण और संरक्षण करना आवश्यक है । लोक कथाएं वो कहानियाँ होती है जिनका निर्माण और उत्पन्न स्थान बात पाना कठिन होता है क्योंकि ए कथाएं पीढ़ी दर पीढ़ी चलती रहती है । लोक संस्कृति में व्याप्त लोकगीत, लोकनृत्य, लोकगाथा, लोककथा जनजातियों के प्रतिरूप है। जिसके द्वारा जनजातियों का परिचय स्वभाविक रूप से हो जाता है।

जनजातियों में प्रचलित लोक कथाएं जनजातीय संस्कृति के दर्पण है। जिसमें उनकी संस्कृति, परम्परा, खान-पान, रहन-सहन, तीज-त्यौहार और प्रकृति के साथ उनके जुड़ाव को आसानी से देखा जा सकता है। लोककथा का विकास मानव के जन्म के साथ ही प्रारंभ हुआ होगा। वर्तमान समय में भी लोककथा वाचिक परम्परा से ही प्राप्त होती है। खेतों में कार्य करते हुए कृषक महिला एवं पुरुष श्रम परिहार के लिए लोककथाओं का सहारा लेते हैं। लोक कथा कथक्कड़ की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। गाँव में फुर्सत के क्षणों में किसी घर के बरामदे या सार्वजनिक चौपाल में भी लोक कथाओं को बहुत उत्साह से सुनते हुए आनन्द उठाते हैं तथा घरों में रात्रि के समय छोटे-छोटे बच्चे अपने दादा-दादी के पास रहते हुए भी लोककथाओं को मौखिक रूप से सुनते हैं जो पीढ़ी दर पीढ़ी अनवरत् चली आ रही है। डॉ. नत्थू तोड़े की पुस्तक 'बस्तर की लोककथाः सांस्कृतिक आयाम' में भी बस्तर के जनजातियों में प्रचलित मौखिक परम्परा से चली आ रही लोककथाओं का दर्शन होता है। बस्तर की जनजातियों में प्रचलित सभ्यता एवं संस्कृति को प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता है। इस पुस्तक के अध्ययन से जनजातियों की धार्मिक आस्था, लोक विष्वास एवं लोक परम्पराओं की भिन्न-भिन्न विषेशताओं को जाना एवं समझा जा सकता है। डॉ. नत्थू तोड़े अपनी पुस्तक में बस्तर के प्रमुख जनजातिय निवासी गोड़, हल्बा, भतरा, गदबा, धुरूवा, माड़िया एवं मुरिया के सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना को उनमें प्रचलित लोक कथाओं के माध्यम से उद्धृत करने का प्रयास किया है। तकनीकी प्रधान दुनियाँ में इनका प्रभाव कम होता जरा है । अरुणाचल प्रदेश पूर्वोत्तर भारत का सबसे बड़ा राज्य है और पूरे देश में सबसे खूबसूरत राज्यों में से एक है। राज्य में कई खूबसूरत आकर्षण हैं। वन्यजीवों को देखने से लेकर आध्यात्मिक तीर्थस्थलों में प्रार्थना में भाग लेने तक, अरुणाचल प्रदेश में करने के लिए बहुत सी चीज़ें हैं । इसके अलावा, यह राज्य अपनी समृद्ध आदिवासी संस्कृति और परंपरा के लिए भी जाना जाता है। यहाँ अरुणाचल प्रदेश की जनजातियों और परंपराओं के बारे में वह सब कुछ बताया गया है जो आपको जानना चाहिए और यह भी कि कैसे प्रत्येक आदिवासी समुदाय ने अपनी संस्कृति बनाई। अरुणाचल प्रदेश में करीब 26 जनजातियाँ हैं, जिनमें 100 से ज़्यादा उप-जनजातियाँ हैं। इनमें से मुख्य जनजातियाँ हैं आदिस, अपटानी, बुगुन, ह्रुसोस, सिंगफोस, मिशमी, मोनपा, न्यिशिस, शेरडुकपेन्स, टैगिन्स, खमटिस, वांचो, नोक्टेस, योबिन, खंबास और मेम्बास। हालाँकि, प्रत्येक जनजाति के बारे में ज़्यादा जानने का सबसे अच्छा तरीका एक टूर लेना है जहाँ गाइड आपको प्रत्येक जनजाति की उत्पत्ति और संस्कृति के बारे में बताएगा। इन आदिवासी लोगों में ऐसा क्या अनोखा है। अपनी संस्कृति में महारत हासिल करने के अलावा, ये लोग टोकरियाँ बनाना, बुनाई, लोहार का काम, मिट्टी के बर्तन बनाना, लकड़ी की नक्काशी, पेंटिंग और बहुत कुछ जैसे कौशल में भी माहिर हैं। अरुणाचल प्रदेश में गालो जनजाति पोपिर नृत्य से नृत्य के लिए प्रसिद्ध है। लोकप्रिय नृत्य जनजातियों की विशेषता है और दर्शकों को यह नृत्य जरूर देखना चाहिए। यह मुख्य रूप से महिला सदस्यों द्वारा किया जाता है। उनका नृत्य एपी में देवी मोप को शीर्ष श्रद्धांजलि है, ऐसा माना जाता है कि यह समृद्धि और उर्वरता की देवी है। एक समय की बात है, अरुणाचल प्रदेश की हरी-भरी घाटियों और बर्फ से ढकी चोटियों पर मोनपा नामक एक जनजाति रहती थी। वे एक शांतिपूर्ण और घनिष्ठ समुदाय थे, जो प्रकृति और आध्यात्मिक दुनिया से गहराई से जुड़े हुए थे। उनकी कहानियों और किंवदंतियों में से एक सबसे अलग थी - न्येथरी और पवित्र पर्वत की कहानी।आज टेलीविज़न की अलग ही धूम है7लोगों के दिलों पर इसी का राज है7इसने अपना अलग ही महत्त्व बना रखा है7लोग अपनी भावनाओं के साथ इस से जुड़े हुए हैं7इसके सामने दुसरे माध्यम फीके पड़ गए हैं7चूँकि इस माध्यम में समाचर या सूचनाओं का आदान-प्रदान द्रश्य-श्रव्य माध्यम द्वारा होता है इसलिए लोगों पर इसका ज्यादा प्रभाव पड़ता है7इस में कोई शक नहीं की आज टेलिविजन लोगों के जीवन का एक अंग बन चूका है7तमाम माध्यमों के बीच इसको प्राथमिक हैसियत हासिल है7अब तो नेशनल और क्षेत्रीय सभी भाषाओं में चैनल पर्याप्त हैं7अनेक भाषाओं और अनेक प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत किये जाते हैं7समाचार ,फिल्म ,डाक्युमेंट्री, डाक्युड्रामा, रियलिटी शो, टॉक शो, मनोरंजकपरक कार्यक्रम, खेल, भूगोल, इतिहास, धर्म, साहित्य, राजनीतिक कार्यक्रम और धरावाहिक आदि से संबंधित कार्यक्रम विभिन्न चैनलों पर प्रस्तुत किया जाता है7 उनमे लोककथाओं का प्रदर्शन और प्रभाव कम रहता है । अरुणाचल में बहुत से ऐसे लोक कथाएं प्रचलित है जिनका एक वैज्ञानिक ढांचा है और जो आधुनिक सभ्यता को भी आकर्षित करती है ।

इस प्रदेश में डोनी-पोलोइज़्म (सूर्य-चंद्रमा) आदिवासियों के बीच प्रकृति और सद्भाव के संतुलन को बनाए रखने का दर्शन है। यहाँ की ज़्यादातर जनजातियाँ प्रकृति और दूसरे देवी-देवताओं की पूजा करती हैं। समय के साथ, बौद्ध धर्म लोगों के बीच एक प्रमुख आस्था के रूप में उभरा।ऐसा लगता है कि अरुणाचल प्रदेश की संस्कृति के लिखित अभिलेखों का कोई स्रोत नहीं है और ज़्यादातर जानकारी मौखिक साहित्य के माध्यम से ही मिल सकती है। कई राज्य ऐसे हैं जो अपने लोक कथाओं को संरक्षित करने के लिए जाना जाता है परंतु यह राज्य अपने लोक कथाओं को लोक गाथाओं के माध्यम से अभियक्ति के लिए जाना जाता है । इस राज्य में भ्रम करने और सेवा देने के पश्चात यह ज्ञान हुआ है कि यहाँ की लोक गाथाएं सामाजिक और राजनीतिक अभियक्ति की वाहक है । दुनिया के कुछ सबसे अनोखे समुदायों का एक आकर्षक निवास, समृद्ध जैव विविधता की प्रचुरता और समय के साथ अलग दुनिया, अरुणाचल प्रदेश वास्तव में एक स्वर्ग है जो हमेशा एक आनंदमय स्थान रहेगा, जो समय बीतने से अछूता रहेगा।

लैटरल एंट्री का आदेश वापस

//शकील अख़्तर//

कृषि कानूनों पर 303 सीटों पर जब बैक फुट पर आना पड़ा था तो अब तो 240 ही हैं। चिराग पासवान और जीतनराम मांझी भी सवाल उठा देते हैं। जेडीयू के के सी त्यागी भी। सरकार बने अभी दो महीने हुए और चार बार भक्तों को शर्मिंदा होना पड़ा। सबसे पहले बजट में मिडिल क्लास के चार पैसे के अतिरिक्त लाभ को छीनने के लिए लाया गया कैपिटल गैन टैक्स वापस लिया।

मीडिया के अंध सपोर्ट के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी को लैटरल एंट्री का आदेश वापस लेना पड़ा। हालांकि यह अभी निकाली गई एक ही भर्ती रोकी गई है। क्योंकि यह ब्यूरोक्रेसी के उच्च और मध्यम दर्जे के पदों के लिए थी। और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इसका कड़ा विरोध करते हुए सीधे भारतीय प्रशासनिक सेवा को तबाह करने और आरक्षण को खत्म करने का आरोप लगया था। जिसका जवाब भाजपा के मंत्री, मीडिया नहीं दे पा रहे थे। भक्त तो बेचारे देते क्या। वे तो सोशल मीडिया पर बस मोदी मोदी कर रहे थे।

लेकिन दबाव में आए मोदी के अचानक आदेश वापस लेने से भक्त फिर बेइज्जत हो गए। मीडिया पर तो अब इज्जत बेइज्जती का प्रभाव पड़ता नहीं इसलिए उसे कोई फर्क नहीं पड़ा। सुबह होते ही वह नया टास्क मांगने लगा। उसे रोज सुबह नया अजेंडा थमाया जाता है, आज के काम का।

पहले अख़बार जब अख़बार हुआ करते थे तो उनमें शहर के पृष्ठ पर एक कॉलम हुआ करता था आज के कार्यक्रम! ऐसे ही सुबह मोदी सरकार की तरफ से मीडिया को आज दिन में कौन कौन सी खबरें चलाना है। झूठी खबर गढ़ना है। राहुल पर कैसे आक्रमण करना है। शाम की डिबेट काहे पर होंगी सब थमा दिया जाता है। तो मीडिया के पास सोचने का समय ही नहीं होता या उसे दिया नहीं जाता।

लेकिन भक्त तो दिन भर फालतू हैं। नौकरी धंधा छीना ही इसीलिए गया था कि सस्ते लोग मिल सकें। और यह बहुत कम पैसों में काम करने वाले लोग बेचारे बार बार दोई दीन से गए। संडे हलवा मिला ने मंडे वाली स्थिति में पहुंच जाते हैं। पैसा भी कम और बेइज्जती घणी! घणी राजस्थानी शब्द है। घणी यानि बहुत।

तीन कृषि कानूनों के मामले में भी ऐसा ही हुआ था। भक्तों ने किसानों को आतंकवादी, खालिस्तानी, मवाली सब घोषित कर दिया था। और मोदी जी ने न केवल कानून वापस लिए बल्कि माफी भी मांग ली।

स्थिति गंभीर है। 303 सीटों पर जब बैक फुट पर आना पड़ा था तो अब तो 240 ही हैं। चिराग पासवान और जीतनराम मांझी भी सवाल उठा देते हैं। जेडीयू के के सी त्यागी भी। सरकार बने अभी दो महीने हुए और चार बार भक्तों को शर्मिंदा होना पड़ा।

सबसे पहले बजट में मिडिल क्लास के चार पैसे के अतिरिक्त लाभ को छीनने के लिए लाया गया कैपिटल गैन टैक्स वापस लिया। मिडिल क्लास जो मोदी का सबसे बड़ा समर्थक था उसे दस साल में मिला तो कुछ नहीं। उल्टे वह जो थोड़ी बहुत बचत करके एक छोटा सा मकान बना लेता था। उसे बेचने पर भारी टैक्स लगा दिया

गया था। मीडिल क्लास तो हिल गया। उसके तेवर देख यह वापस लेना पड़ा।

वक्फ बिल लाए कि वापस हिन्दू-मुसलमान शुरू करेंगे। मगर संख्या तो 240 ही है। लोकसभा में पास करवाने के लिए 272 चाहिए थीं। सब सहयोगियों चन्द्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, चिराग पासवान, जीतनराम मांझी, जयंत चौधरीने मना कर दिया। मजबूर होकर इसे जेपीसी (संयुक्त संसदीय दल) को भेजना पड़ा।

पर मीडिया पूरी तरह समर्पित है। हालांकि यू ट्यूब, सोशल मीडिया और मुख्य मीडिया का भी एक हिस्सा जनता की आवाज उठा रहा है जो पत्रकारिता का मुख्य काम है। इस पर काबू पाने के लिए ब्राडकास्ट बिल लाया जा रहा था। मगर चौतरफा दबाव के कारण उसे भी रोक देना पड़ा।

और चौथा बड़ा फैसला अभी मंगलवार को देखा जब लैटरल एंट्री का निकाला गया विज्ञापन तक वापस लेना पड़ा।

लेकिन यह याद रहे कि सिर्फ एक आदेश वापस लिया गया है। बाकी सब चुपचाप चल रहा है। अभी कृषि वैज्ञानिकों के 368 पद निकाले गए थे। साफ लिखा था कि इसमें आरक्षण लागू नहीं होगा। इस तरह के बहुत से विभागों में चुपचाप लैटरल एंट्री की जा रही है। यह मैरिट पर बहुत बड़ा डाका है। हजारों लड़के लड़कियां रात दिन सिविल सर्विसेज और दूसरे प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी करते रहते हैं। कड़ी मेहनत और मुश्किल परिस्थितियों में एक्जाम देने के बाद वह पाते हैं कि अधिकांश जगहों पर तो लैटरल एंट्री कर ली गई है। बिना एक्जाम अपने लोगो को लगा लिया गया है।

अभी इससे पहले ऐसे ही जो उच्च और मिडिल रेंक में भर्तियां की गईं थीं। उनमें आधे अंबानी, अडानी के यहां काम करने वाले लोग थे। इन्हें सरकार में भेजा ही इसीलिए जाता है कि वहां बैठकर वह अपने सेठों की सेवा करेंगे।

भारत की सीविल सर्विस एक पेशेवर संस्था मानी जाती है। अभी तक वहां सिलेक्शन भी काफी हद तक पारदर्शी तरीके से बिना भेदभाव के होते आया था। कार्यपालिका को लोकतंत्र का एक मजबूत स्तंभ कहा गया है। संवैधानिक तौर पर। तीन लिखित पिलर में से एक। विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका। एक चौथा मीडिया तो इसे खुश करने के लिए जबर्दस्ती कहा जाने लगा था। मगर उसका संविधान में कहीं जिक्र नहीं है। सबसे पहले वही पोला निकला। एकदम झुक गया। अब कार्यपालिका को तोड़ने की बारी है। लेकिन समय रहते राहुल गांधी के कड़े प्रतिरोध और सहयोगी दलों की नाखुशी के बाद फिलहाल इस पर ब्रेक लग गया है। मगर जब तक सरकार नीतिगत तौर पर यह नहीं कहती कि सारी नियुक्तियां विधिवत पारंपरिक तरीके से ही होंगी। बीच में से किसी को भर्ती नहीं किया जाएगा। लैटरल एंट्री बिल्कुल बंद की जा रही है तब तक विपक्ष को और भाजपा के सहयोगी दलों को सावधान रहना होगा। रहना तो अफसरों को भी होगा। क्योंकि उनकी सर्विस में ही यह मिलावट डाली जा रही है। जो उनके दबदबे और प्रतिष्ठा को मिटा देगी।

जैसे जवानों से अब पूछा जाता है कि रेगुलर या अग्निवीर। वैसे ही आईएएस से पूछा जाएगा असली वाले या नकली वाले।

देश को बहुत खतरनाक स्थिती पर ले आए हैं। दलित आदिवासी भारत बंद कर रहे हैं। कभी सुना था कमजोर को बंद का कॉल देते? दस साल में दूसरी बार दिया है। कहीं जोर जबर्दस्ती नहीं। मगर फिर भी पुलिस लाठियां मार रही है। बंद का मजाक उड़ाया जा रहा है। पुलिस को उकसाया जा रहा है। आम जनता को भड़काया जा रहा है।

इससे पहले 2018 में दलितों ने किया था। उन पर गोली चलाई गई। कई दलित युवक मारे गए थे। यह हिंसा कौन करता और करवाता है। क्या भारत का दलित इतना दबंग हो गया कि वह सार्वजनिक हिंसा करे?

उसे तो मोदी सरकार ने इतना मजबूर कर दिया कि उसे अपनी आवाज उठाने के लिए बंद का वह हथियार उठाना पड़ा जो उसके लिए नहीं बना। बंद कमजोर का हथियार नहीं है।

बंद तो हमारे समय में छात्र किया करते थे। एक कॉल होती थी और बाजार बंद हो जाते थे। ऐसे ही व्यापारियों का बंद होता था। बाजार उनके होते थे। कोई समस्या नहीं होती थी। ऐसे ही भाजपा का बंद। व्यापारी उनके समर्थक होतेथे। एक काल में बाजार बंद कर देते थे।

मगर कमजोर के लिए बंद नहीं है। बाजार उसके नहीं हैं। पुलिस उसके नीला गमछा डालकर निकलने पर ही मार रही है। उसकी सबसे बड़ी नेता बनने का दावा करने वाली मायावती में सड़क पर निकलने की हिम्मत नहीं है। जब से ट्वीट आ गया है वे केवल ट्वीट करती हैं। ऐसा ही गोलमोल सा कि भाजपा को बुरा भी नहीं लगे और उनकी जाति का वोटर समझे कि बहन जी उसके पक्ष की बात कर रही हैं। अब वे सारे दलितों की बात भी नहीं करती हैं। अभी लोकसभा चुनाव हारने के बाद साफ कहा कि मेरी जाति के लोगों ने मुझे वोट दिए। बाकी मुसलमानों का साफ विरोध किया ही इन्होंने वोट नहीं दिया है। आगे से इन्हें देखेंगे।

लेकिन अपनी जाति के अलावा बाकी दलित जातियों पर शक कर लिया कि तुमने भी वोट नहीं दिया। कांशीराम ने आम्बेडकर ने दलित एकता बनाई थी। मगर मोदी सरकार की तरह मायावती भी इसमें विभाजन करने लगी हैं।दरअसल यह सारा खेल ही नफरत और विभाजन का है। प्रधानमंत्री मोदी को तो इसके अलावा कुछ आता नहीं है। लेकिन अफसोस की पूरा देश भी अब दलदल में उलझ गया। मोदी जी सारे काम देश को उलझाए रखने के लिए करते हैं। भावनात्मक, प्रतीकात्मक। ताकि लोग अपनी असली समस्याओं पर नहीं आ सकें। धर्म, जाति एवं दूसरे नफरती और विभाजनकारी मुद्दों में उलझे रहें।

तस्वीरों की दुनिया

भोजपुर में दुर्घटनाग्रस्त कार के मलबे का निरीक्षण करते स्थानीय लोग, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई।

लेह से पूर्वी लद्दाख जाते समय एक निजी बस 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई, जिसके परिणामस्वरूप लेह में छह यात्रियों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए।

अगरतला में भारी बारिश के बाद खतरे के निशान से ऊपर बह रही हावड़ा नदी का दृश्य।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ वारसॉ, पोलैंड में संयुक्त प्रेस वार्ता में।

वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के सदस्य नई दिल्ली में संसद भवन में अपनी पहली बैठक से पहले फोटो के लिए पोज देते हुए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने श्रीनगर में कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 2024 के दौरान पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में डॉ. पूरबी सैकिया को विज्ञान युवा से सम्मानित किया।

हाई-टेक सिक्योरिटी और हथियारों से लैस है रेल फोर्स वन, पीएम मोदी इसी ट्रेन से करेंगे सफर

नईदिल्ली, 23 अगस्त [एजेंसी]।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पोलैंड से ट्रेन से 10 घंटे का सफर तय करके यूक्रेन पहुंचेंगे। इस ट्रेन का नाम रेल फोर्स वन है। यह एक विशेष ट्रेन है, जिसे लक्जरी सुविधाओं और विश्व स्तरीय सेवा के लिए जाना जाता है। आइये जानते हैं कि इस ट्रेन की खूबियों के बारे में, जो इसे विशेष ट्रेन बनाती हैं। रात में ही चलती है रेल फोर्स वन यूक्रेन जाने वाले ज्यादातर नेता, पत्रकार, राजनयिक रेल फोर्स वन से ही सफर करते हैं। ये धीमी गति से चलने वाली लक्जरी ट्रेन है, जो सिर्फ रात में चलती है। ये पोलैंड से 600 किलोमीटर का सफर तय कर यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंचती है। यूक्रेन में अलग-अलग ट्रेनें चलती हैं लेकिन रेल फोर्स वन सबसे खास है। ये क्रीमिया में पर्यटन के लिए डिजाइन किया गया था। रूस ने 2014 में क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद से इसका इस्तेमाल वर्ल्ड लीडर्स और वीआइपी मेहमानों को लाने-ले जाने के लिए किया जाता है। रेल फोर्स वन में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों, इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी समेत कई नेता यात्रा कर चुके हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति ब्लादिमीर जेलेस्की भी विदेश जाने के लिए इसी ट्रेन का इस्तेमाल करते हैं। सुरक्षा के लिए हैं पुख्ता इंतजाम वीआइपी यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्रेन को अत्याधुनिक सुरक्षा उपायों से लैस किया गया है। इसमें बेहद सुरक्षित कम्युनिकेशन सिस्टम हैं।

हाई-टेक सुरक्षाकर्मियों की टीम लगातार निगरानी करती है। ट्रेन को इस तरह से बनाया गया है कि यह बेहद चुनौतीपूर्ण हालात का सामना कर सके।यही वजह है कि अभी तक इस ट्रेन में सुरक्षा को को लेकर कभी शिकायत नहीं मिली है। ट्रेन में आलीशान होटल जैसा कमरेरेल फोर्स वन का इंटीरियर बेहद खूबसूरत है। इसके कमरे किसी आलीशान होटल जैसे हैं। रेल फोर्स वन के कंपार्टमेंट लकड़ी से बने हैं। अहम बैठकों के लिए बड़ी कान्फ्रेंस टेबल का भी इंतजाम है। इसके अलावा आलीशान सोफा और टीवी भी लगा है। युद्ध के दौरान ट्रेन के सफर को आसान बनाने के लिए रेल फोर्स वन में इलेक्ट्रिक इंजन की जगह डीजल इंजन लगे हैं। दरअसल रूस रेल लाइन के साथ-साथ यूक्रेन के इलेक्ट्रिक ग्रिड पर भी हमला करता है। ऐसे में अगर ट्रेन में इलेक्ट्रिक ग्रिड लगा है तो वह ठप पड़ जाएगी, वहीं, डीजल इंजन पर इसका असर नहीं पड़ेगा। रेल वन फोर्स की सफलता का श्रेय यूक्रेन रेलवे के पूर्व सीईओ और अब मंत्री एलेक्जेंडर कैमिशिन को दिया जाता है। उन्होंने ही अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के सफर के बाद इस ट्रेन को रेल फोर्स वन नाम दिया था।

पाकिस्तान में डकैतों ने किए पुलिस अधिकारियों पर रॉकेट से हमले, 11 की मौत, घायलों की स्थिति काफी गंभीर

लाहौर, 23 अगस्त [एजेंसी]।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में गुरुवार को डकुओं द्वारा राकेट से किए गए हमले में कम से कम 11 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। पुलिस के अनुसार लाहौर से 400 किलोमीटर दूर रहीम यार खान जिले में मचाह पाइंट पर पुलिस के दो वाहन कच्चे रास्ते में कीचड़ में फंस गए थे।इसी बीच डकैतों का एक गिरोह वहां पहुंचा और उसने दोनों वाहनों पर रॉकेटों से हमला किया। हमले में मौके पर ही 11 पुलिस वाले मारे गए और गई घायल हो गए। डकैत कुछ पुलिस वालों को अपने साथ अगवा करके भी ले गए। पंजाब पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि घायलों की स्थिति काफी गंभीर होने के कारण मौतों की संख्या बढ़ सकती हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने आइजी डा.उस्मान अनवर को मौके पर जाने और अगवा किए गए पुलिसवालों को मुक्त कराने का आदेश दिया है।पाकिस्तान के पूर्व आईएसआई प्रमुख जनरल फैज हमीद का एक करीबी देश छोड़कर भाग गया है।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मोहसिन हबीब वारियाच को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया गया था और जिसके खिलाफ कोर्ट मार्शल की कार्रवाई चल रही है। उसने आधिकारिक अधिकारों के दुरुपयोग के लिए अपने खिलाफ चल रही जांच के बीच गिरफ्तारी से बचने के लिए देश छोड़कर ब्रिटेन भाग गै।समा टीवी के अनुसार, माना जाता है कि मोहसिन हबीब वारियाच ने हमीद के लिए पाकिस्तान और विदेशों में बड़े व्यापारिक सौदों का प्रबंधन किया था। हमीद को एक प्राइवेट हाउसिंग सोसाइटी से पैसे ऐंठने के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने के आरोप में कोर्ट मार्शल की कार्यवाही का सामना करना पड़ रहा है। हमीद के साथ कथित संबंधों के सिलसिले में कई सैन्य अधिकारियों और कुछ नागरिकों को हिरासत में लिया गया है।

कौन हैं IPS आरती सिंह, जो बनी SIT प्रमुख, फोर्ब्स की लिस्ट में भी नाम है शामिल

मुंबई, 23 अगस्त [एजेंसी]।

लिंगभेद से लड़ने के लिए ढाल ही में फोर्ब्स एशिया की पावर बिजनेसवुमन पत्रिका में शामिल वर्ष 2006 की आईपीएस अधिकारी आरती सिंह को बदलापुर में बच्चियों के यौन उत्पीड़न की घटना की जांच के लिए गठित एसआईटी टीम का प्रमुख नियुक्त किया गया है। स्त्री रोग विशेषज्ञ से आईएएस बनी डॉ. आरती सिंह वर्तमान में महाराष्ट्र पुलिस में आईजी (प्रशासन) के पद पर तैनात हैं। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर के एक मध्यम वर्गीय परिवार में जन्मी आरती के परिवार के कुछ सदस्य भी अधिकांश परिवारों की तरह लड़कियों की सुरक्षा से लेकर उनके दहेज की चिंता तक के कारण उनके जन्म से चिंतित रहते थे, लेकिन तमाम बाधाओं से पार पाते हुए आरती ने हमेशा डॉक्टर बनने का सपना देखा और अपने लक्ष्य को पाया भी।लेबर वार्ड में स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में अपनी इंटर्नशिप के दौरान प्रसव के बाद अधिकांश माताएं उनसे एक ही सवाल पूछती थीं कि लड़का हुआ है या लड़की। यानी यह स्पष्ट संकेत था कि समाज लड़कियों के जन्म पर खुश नहीं होता।

इस सवाल ने आरती को इस हद तक परेशान कर दिया कि उन्होंने लड़कियों के लिए रोल मॉडल बनने का फैसला किया।डॉक्टरी पेशे में सीमाएं थीं तो उन्होंने जल्द ही डॉक्टर से आईपीएस बनने का निर्णय लिया ताकि वह महिलाओं को सुरक्षित महसूस करा सकें और लिंग भेद के खिलाफ अत्याचारों को कम कर सकें। इस दिशा में उन्होंने खूब काम किया और इसी के चलते फोर्ब्स की सूची में भी स्थान पाया। यही नहीं, आरती सिंह नक्सल प्रभावित गढ़चिरौली क्षेत्र में तैनात पहली महिला आईपीएस भी रहीं। 2009 में नक्सलियों ने वहां 17 पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी थी और ग्रामीणों को राज्य और संसदीय चुनावों में मतदान न करने की चेतावनी दी थी।

पिछले साल 65 लाख छात्र बोर्ड परीक्षाओं में हुए फेल, P-MP का रिजल्ट सबसे खराब, शिक्षा मंत्रालय ने जारी की रिपोर्ट

नईदिल्ली, 23 अगस्त [एजेंसी]।

शिक्षा मंत्रालय बोर्ड परीक्षाओं में छात्रों के पास और फेल होने को लेकर बेहद हैरान कर देने वाले आंकड़े जारी किए हैं। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, पिछले वर्ष देश भर में 65 लाख से अधिक छात्र कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा पास करने में असफल रहे। केंद्रीय बोर्ड की तुलना में राज्य बोर्डों में असफलता की दर अधिक थी।शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि 56 राज्य बोर्ड और तीन राष्ट्रीय बोर्ड सहित 59 स्कूल बोर्डों के कक्षा 10 और 12 के परिणामों के विश्लेषण से पता चला है कि सरकारी स्कूलों में ज्यादा लड़कियों ने कक्षा 12 की परीक्षा दी। लेकिन निजी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में यह स्थिति विपरीत है।कुल मिलाकर, विभिन्न प्रबंधन वाले स्कूलों में भी उत्तीर्ण प्रतिशत का अंतर भी लड़कियों के पक्ष में है।शिक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कक्षा 10 के लगभग 33.5 लाख छात्र अगली कक्षा तक नहीं पहुंच पाए। जबकि 5.5 लाख उम्मीदवार उपस्थित नहीं हुए, 28 लाख असफल रहे। इसी तरह, 12वीं कक्षा के लगभग 32.4 लाख छात्रों ने

ग्रेड पूरा नहीं किया। जबकि 5.2 लाख उपस्थित नहीं हुए, 27.2 लाख असफल रहे।10वीं कक्षा में, राष्ट्रीय बोर्डों में छात्रों की विफलता दर छह प्रतिशत थी, जबकि राज्य बोर्डों में यह 16 प्रतिशत से कहीं अधिक थी। 12वीं कक्षा में, राष्ट्रीय बोर्डों में विफलता दर 12 प्रतिशत है जबकि राज्य बोर्डों में 18 प्रतिशत है। मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि दोनों कक्षाओं में ओपन स्कूल का प्रदर्शन खराब रहा।

10वीं कक्षा में फेल होने वाले छात्रों की संख्या सबसे ज्यादा मध्य प्रदेश बोर्ड में रही, उसके बाद बिहार और यूपी का नंबर रहा। जबकि 12वीं कक्षा में सबसे अधिक छात्रों के फेल होने की रिपोर्ट उत्तर प्रदेश से और उसके बाद मध्य प्रदेश से हुई।अधिकारी ने कहा कि 2023 में छात्रों के समग्र प्रदर्शन में पिछले वर्ष की तुलना में गिरावट आई है। यह परीक्षा के लिए बड़े पाठ्यक्रम के कारण हो सकता है। सरकारी स्कूलों में कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में लड़कों की तुलना में लड़कियां अधिक संख्या में शामिल हुईं।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने रद्द किया शेख हसीना का राजनयिक पासपोर्ट, इस्तीफा देने के बाद से 45 मामले दर्ज

ढाका, 23 अगस्त [एजेंसी]।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने गुरुवार को अपदस्थ प्रधान मंत्री शेख हसीना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द कर दिया। एएफपी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार सरकार का यह फैसला उस वक्त आया है, जब संयुक्त राष्ट्र की एक टीम यह आकलन करने के लिए ढाका पहुंची थी कि कथित मानवाधिकार उल्लंघन की जांच की जाए या नहीं। इधर पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ मुकदमे दर्ज होने का सिलसिला जारी है। गुरुवार को उन पर हत्या का एक और मामला दर्ज हुआ। हसीना और 46 अन्य पर चार अगस्त को हुए आंदोलन के दौरान ढाका में एक हॉकर की हत्या का आरोप लगाया गया है। न्यायालय के आदेश पर अशुलिया पुलिस स्टेशन में यह मामला दर्ज हुआ है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद हसीना पर जघन्य अपराधों के 45 मामले दर्ज हो चुके हैं। इनमें से 28 मामले हत्या के हैं। बांग्लादेश में जुलाई और अगस्त में छात्र आंदोलनों के दौरान हुई हिंसा और मानवाधिकारों के उल्लंघन के मामलों की जांच के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद का तीन सदस्यों का दल गुरुवार को रोरी मंगोवेन के नेतृत्व में ढाका पहुंच गया। यह दल आठ दिन बांग्लादेश में रहकर पूर्व की हसीना सरकार पर लगे आरोपों की जांच करेगा। संयुक्त राष्ट्र का यह दल अंतरिम सरकार के अनुरोध पर आया है। यह दल अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हुए हमलों की घटनाओं की भी जांच करेगा।

जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में EC ने उतारी 400 पर्यवेक्षकों की टीम, भाषणों से लेकर खर्चे पर रहेगी नजर

नईदिल्ली, 23 अगस्त [एजेंसी]।

जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के विधानसभा चुनावों पर पैनी नजर रखने के लिए केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने दोनों ही राज्यों में चार सौ से अधिक पर्यवेक्षकों की तैनाती देने का फैसला लिया है। आयोग ने गुरुवार को दोनों ही राज्यों में तैनात होने वाले इन सभी पर्यवेक्षकों के साथ बैठक की है।साथ ही आयोग ने सभी को निर्देश दिया है कि वह चुनाव के दौरान किसी भी तरह के दुष्प्रचार को तुरंत और सख्ती से निपटें। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की अगुवाई

में हुई पर्यवेक्षकों की इस बैठक में दोनों ही चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ एसएस संधू मौजूद थे। आयोग के मुताबिक दोनों ही राज्यों में तैनात होने वाले चार सौ से अधिक पर्यवेक्षकों में करीब दो सौ सामान्य पर्यवेक्षक होंगे। वहीं सुरक्षा के मोर्चे पर करीब सौ पुलिस पर्यवेक्षक और करीब सौ पर्यवेक्षक चुनावी खर्च पर नजर रखने के लिए तैनात किए जाएंगे।

चुनावी में तैनाती होने वाले यह पर्यवेक्षक वरिष्ठ आईएएस, आईपीएस और आईआरएस अधिकारी होंगे। हालांकि अभी आयोग ने यह साफ नहीं किया है कि इनमें से कितने पर्यवेक्षक किस राज्य में तैनात होंगे। इस बीच आयोग ने पर्यवेक्षकों से अपने क्षेत्रों में होने वाली राजनीतिक दलों की सभाओं और बैठकों पर भी नजर रखने के निर्देश दिए है।

सोशल मीडिया पर महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले शब्द अपराध, बॉम्बे हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

मुंबई, 23 अगस्त [एजेंसी]।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने बुधवार को अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि किसी महिला के खिलाफ ईमेल या सोशल मीडिया पर लिखित शब्द जो किसी महिला की गरिमा को कम कर सकते हैं, वह एक अपराध है और इस अपराध के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 509 (महिला का अपमान) के तहत किसी के खिलाफ मामला दर्ज किया जा सकता है। इसी के साथ हाईकोर्ट ने एक पुरुष के खिलाफ मामला रद्द करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति ए एस गडकरी और न्यायमूर्ति नीला गोखले की खंडपीठ ने एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 509 (एक महिला की विनम्रता का अपमान) के तहत उसके खिलाफ दर्ज 2009 के मामले को रद्द करने की मांग की गई थी। उस व्यक्ति ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता को आपत्तिजनक और अपमानजनक ईमेल लिखे थे, जो दक्षिण मुंबई की उसी सोसायटी में रहती है, जहां वह रहता है।

गुजरात में काला जादू और तंत्र-मंत्र करने पर सात साल तक हो सकती है जेल, विधेयक पारित

गांधीनगर, 23 अगस्त [एजेंसी]।

गुजरात में लोगों को अंधविश्वास के जाल में फंसाकर काला जादू, तांत्रिक विद्या के जरिए बीमारी ठीक करने तथा झाड़-फूंक व नरबलि जैसे अपराधों के लिए विधानसभा में सर्वसम्मति से विधेयक पारित किया गया। नरबलि के मामले में सात वर्ष तक की सजा का प्रविधान किया गया है। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि गुजरात के कई परिवारों ने बहन, बेटी व बच्चों को काला जादू व अमानवीय गतिविधियों के कारण खोया है। गृह राज्य मंत्री ने

विधानसभा में विधेयक पेश करते हुए कहा कि लोगों को अंधविश्वास के जाल में फंसाकर ठगने वाले, नरबलि व झाड़-फूंक के जरिए इलाज के बहाने अत्याचार करने वाले ढोंगियों से लोगों की रक्षा के लिए यह विधेयक लाया गया है। इस कानून के तहत छह माह से लेकर सात वर्ष तक की सजा का प्रावधान है।उन्होंने कहा कि चमत्कार के नाम पर ढोंगी लोग महिला व पुरुषों को ठगते हैं। अंधेरी पूजा, काला जादू, गड़ा धन खोजने व गंभीर बीमारी के इलाज के बहाने ढोंगी लोग महिलाओं व बच्चों पर अत्याचार करते हैं। इस कानून में बताया गया है कि धार्मिक यात्रा, कीर्तन, उपदेश, संत महात्माओं के संदेश का प्रचार प्रसार, प्राचीन विद्या एवं कला के उपदेश देना तथा ऐसे किसी भी कार्य से लोगों का शारीरिक नुकसान न हो तो अपराध नहीं माना जाएगा।सरकार पर कम अवधि का सत्र बुलाने, विधायकों को सदन में जनसमस्याओं को उठाने से रोके जाने तथा तारांकित प्रश्न के लिए समय नहीं देने के मुद्दों पर हंगामा करने वाले कांग्रेस विधायकों को विधानसभा अध्यक्ष शंकरभाई चौधरी ने एक दिन के लिए निलंबित कर दिया।

जनगणना में ही कराई जाए जाति गणना, ओबीसी को साधने के लिए कांग्रेस ने चला नया दांव

नईदिल्ली, 23 अगस्त [एजेंसी]।

जनगणना कराने की तैयारियों की आहट के बीच मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने जाति गणना के अपने एजेंडे की पेशबंदी शुरू कर दी है। विपक्षी गठबंधन आईएनडीआइए के दलों के पूरे समर्थन का दावा करते हुए जनगणना के साथ ही जाति जनगणना कराए जाने की मांग करते हुए कांग्रेस ने जनगणना की प्रश्नावली में ही ओबीसी वर्ग की पहचान का एक कॉलम जोड़ने की वकालत की है। पार्टी का तर्क है कि जनगणना में पहले ही साढ़े तीन वर्ष से अधिक की देरी हो चुकी है और इस कॉलम को शामिल कर जातिगत गणना में विलंब को रोका जा सकता है। आरक्षण के मुद्दे पर गरमाए राजनीतिक विमर्श के बीच जातिगत गणना की

कांग्रेस की पैरोकारी साफ तौर पर ओबीसी वर्ग को साधने की रणनीति पर केंद्रित है। 2024 के लोकसभा चुनाव अभियान में आरक्षण की सीमा बढ़ाने की बहस को पार्टी ने रफ्तार ही नहीं दी, बल्कि आरक्षण की वर्तमान 50 प्रतिशत सीमा खत्म कर आबादी के हिसाब से भागीदारी का चुनावी वादा भी किया।आईएनडीआइए के चुनाव में मजबूत विपक्ष के तौर पर उभरने में संविधान और आरक्षण के इस मुद्दे की प्रमुख भूमिका की बात कांग्रेस भी स्वीकार कर रही है। इसीलिए अब मुखर होकर जाति गणना के मुद्दे पर मोदी सरकार पर राजनीतिक दबाव बनाने का दांव चल रही है। तभी जनगणना कराने की केंद्र सरकार की तैयारियों की आहट मिलते ही कांग्रेस ने जाति गणना का कॉलम जोड़ने की आवाज उठा दी है।कांग्रेस के संचार महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान में कहा, हमारी मांग है कि जब जातिगत गणना हो तो उसमें एक और सवाल जोड़ा जाए कि क्या आप ओबीसी वर्ग से हैं। अगर ओबीसी हैं तो कौन सी जाति के हैं। केवल यह कॉलम जोड़ देने से ही ओबीसी की गणना हो जाएगी। जयराम ने कहा कि जनगणना के जरिये एससी-एसटी की जातिवार गणना की जाती है तो फिर ओबीसी की जनगणना करने में क्या एतराज हो सकता है।

जनगणना कराना केंद्र की संवैधानिक जिम्मेदारी है। कांग्रेस महासचिव ने कहा ओबीसी, एससी-एसटी के लिए 50 प्रतिशत की आरक्षण की जो सीमा लगाई गई है, उसे हटाने के लिए संविधान में संशोधन करना जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी खेमे की तमाम अन्य पार्टियां भी जातीय गणना का समर्थन कर रही हैं और 2021 की जनगणना में साढ़े तीन वर्ष की देरी हो जाने का मतलब है कि आर्थिक योजना और सामाजिक न्याय के कार्यक्रमों के लिए जरूरी महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र नहीं की जा सकी है। इसकी वजह से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 या पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 12 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को उनका कानूनी हक नहीं मिल पा रहा है।

एयरपोर्ट पर 6 दिन का बच्चा लेकर पहुंची महिला, शक होने पर अधिकारियों ने रोका तो जवाब सुनते ही चौंक गए

वाराणसी। बाबतपुर स्थित लालबहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर गुरुवार की शाम वर्थ सर्टिफिकेट पर शक होने पर छह दिन के नवजात को रोक लिया गया।सुजाबाद-पड़ाव की निधि सिंह व अशोक कुमार पटेल आकासा एयरलाइंस के विमान से बच्चे को बेंगलुरु ले जा रहे थे। दोनों के नामों में भिन्नता और उनकी गतिविधियों पर संदेह के साथ बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र में उम्र छह दिन दर्ज पाई गई। एयरलाइंस कर्मियों ने पूछताछ के साथ इसकी सूचना पुलिस को दी। दोनों यात्रियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसमें महिला यात्री निधि सिंह ने बच्चे को चंदौली के पं. दीनदयाल नगर स्थित अस्पताल से 50 हजार रुपये में खरीदने की बात कबूली। कहा कि बच्चे को अपनी बहन के लिए लेकर बेंगलुरु जा रही थी। दोनों अकासा एयरलाइंस के विमान क्यूपी 1424 से बेंगलुरु जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे थे। विमान वाराणसी एयरपोर्ट से रात 7.45 बजे उड़ान भरकर 10.25 बजे बेंगलुरु पहुंचता है। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि नियमानुसार सात दिन से कम का नवजात हवाई यात्रा नहीं कर सकता है। एयरलाइंस काउंटर पर जांच के समय वर्थ सर्टिफिकेट में नवजात का नाम रुद्रांश सिंह व उम्र छह दिन दर्ज पाई गई। महिला और सहयात्री के नाम में भी भिन्नता थी। महिला बच्चे को दूध भी बोतल से पिला रही थी। एयरलाइंस कर्मियों ने इसकी सूचना उच्चाधिकारियों के साथ पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे डीसीपी, एसीपी, एसओ और चौकी प्रभारी ने महिला और सहयात्री को हिरासत में लेकर पूछताछ की। महिला ने पति का नाम राजेश कुमार सिंह बताया।

आपके यूरिक एसिड को कम कर सकता है केला, जानें कब और कैसे खाना है सही

शरीर में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ने से जोड़ों में दर्द, मांसपेशियों में सूजन और जलन जैसी कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं. इसलिए, इस फल को अपने आहार में शामिल करके समय रहते इसे नियंत्रित करना महत्वपूर्ण है. यूरिक एसिड बढ़ने की वजह से लोगों को हड्डियों और जोड़ों से जुड़ी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है.

हाई यूरिक एसिड के मरीजों को अक्सर जोड़ों में दर्द, मांसपेशियों में सूजन और जलन जैसी कई गंभीर समस्याओं से गुजरना पड़ता है. अगर इसे सही समय पर कंट्रोल न किया जाए तो इसकी वजह से गाउट और अर्थराइटिस होने की संभावना बढ़ जाती है. इसलिए अगर आप बढ़े हुए यूरिक एसिड को कम करना चाहते हैं तो दवाओं के अलावा अपनी डाइट में केले को भी शामिल करें.

केले में कई ऐसे गुण होते हैं जो यूरिक एसिड को कम करने में मदद करते हैं. आइए जानते हैं केला किस तरह यूरिक एसिड को कंट्रोल करने का काम करता है साथ ही इसका सेवन कब और कैसे करना चाहिए.

यूरिक एसिड को नियंत्रित करने में केले फायदेमंद हैं

केले में पोटैशियम भरपूर मात्रा में होता है जो यूरिक एसिड को पेशाब के ज़रिए बाहर निकालता है. इसके अलावा इसमें प्रोटीन और प्यूरीन की मात्रा कम होती है, जिसकी वजह से यह यूरिक एसिड के मरीजों के लिए फायदेमंद है. इस फल में विटामिन सी भी होता है, जो एक एंटीऑक्सीडेंट है जो खून में यूरिक एसिड के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है.

किस तरीके से खाएं केले

यूरिक एसिड के मरीज़ रोज़ाना 3 से 4 केले खा सकते हैं. आप इसे दूध में मिलाकर भी खा सकते हैं. आप इसका शेक भी बना सकते हैं. आप अपनी ज़रूरत के हिसाब से इसका सेवन बढ़ा सकते हैं. आप इसे दोपहर के आसपास भी खा सकते हैं, ध्यान रखें कि सुबह और रात को खाली पेट इसका सेवन न करें.

केला खाने से इन समस्याओं से भी राहत मिलती है

फाइबर से भरपूर केला खाने से पाचन क्रिया बेहतर होती है, जिससे कब्ज और पेट फूलने जैसी कई पेट की समस्याएं दूर होती हैं.

केले में आयरन और फोलेट की मात्रा अधिक होती है, जो एनीमिया को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है. एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन ए और कैरोटीनॉयड से भरपूर केले आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद कर सकते हैं.

बार-बार खाना गर्म करने से उसका पोषण कम हो जाता है? जानें सच

खाना गर्म करना हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है. अक्सर हम बना हुआ खाना दोबारा गर्म करके खा लेते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके बारे में एक आम धारणा है कि बार-बार खाना गर्म करने से उसका पोषण कम हो जाता है? यह सवाल कई लोगों के मन में आता है, तो चलिए, जानते हैं कि इस बारे में सच क्या है और आपको क्या सावधानियां बरतनी चाहिए.

क्या बार-बार खाना गर्म करने से पोषण कम होता है?

यह सच है कि जब हम खाना बार-बार गर्म करते हैं, तो कुछ पोषक तत्वों में कमी आ सकती है. खासकर विटामिन सी और बी जैसे विटामिन, जो पानी में घुलनशील होते हैं, ये गर्म करने पर कम हो सकते हैं। लेकिन यह भी ध्यान देने वाली बात है कि प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर जैसे मुख्य पोषक तत्व उतने प्रभावित नहीं होते.

खाना बार-बार गर्म करने के नुकसान

* स्वाद और बनावट में बदलाव: बार-बार गर्म करने से खाना सूख सकता है, और इसका स्वाद और बनावट बदल सकती है. इससे खाने का मजा कम हो सकता है.

* हेल्थ का खतरा: अगर खाना सही तरीके से स्टोर नहीं किया गया और बार-बार गर्म किया गया, तो उसमें बैक्टीरिया पनप सकते हैं, जो हेल्थ के लिए हानिकारक हो सकते हैं.

* खाना बार-बार गर्म करने के नुकसान: गुणवत्ता में कमी: बार-बार गर्म करने से खाना सूख सकता है और उसका स्वाद बदल सकता है। इससे खाने का मजा कम हो जाता है और उसकी गुणवत्ता भी प्रभावित हो सकती है.

* बैक्टीरिया का खतरा: अगर खाना सही तरीके से स्टोर नहीं किया गया और बार-बार गर्म किया गया, तो उसमें बैक्टीरिया पनप सकते हैं. ये बैक्टीरिया सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं और इससे पेट की बीमारियां भी हो सकती हैं.

* विटामिन्स की कमी: बार-बार खाना गर्म करने से कुछ विटामिन्स, खासकर पानी में घुलनशील विटामिन्स जैसे विटामिन सी और बी, कम हो सकते हैं. लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि खाना पूरी तरह से बेकार हो जाता है.

खाने को सही तरीके से गर्म करने के उपाय

* एक बार ही गर्म करें: कोशिश करें कि जितनी जरूरत हो, उतना ही खाना गर्म करें, ताकि बार-बार गर्म करने से बचा जा सके.

* सही तापमान पर स्टोर करें: बचे हुए खाने को तुरंत फ्रिज में स्टोर करें और फिर गर्म करते समय सुनिश्चित करें कि वह अच्छे से गर्म हो.

* धीरे-धीरे गर्म करें: खाना धीरे-धीरे और मध्यम आंच पर गर्म करें, ताकि उसके पोषक तत्व सुरक्षित रहें और स्वाद भी बरकरार रहे.

सनी लियोनी की फिल्म कोटेशन गैंग की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, नया पोस्टर आया सामने

अभिनेत्री सनी लियोन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म कोटेशन गैंग को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। यह फिल्म जुलाई में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसके लिए दर्शकों को और इंतजार करना पड़ेगा। कोटेशन गैंग की रिलीज डेट अब जुलाई से खिसकाकर आगे बढ़ा दी गई है। अब यह फिल्म अगले महीने सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

सनी लियोनी की कोटेशन गैंग अब 30 अगस्त को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ, प्रियामणि और सारा अर्जुन जैसे कलाकार हैं। इसमें अशरफ मल्लिसरी, जया प्रकाश, अक्षय, प्रदीप कुमार, विष्णु वारियर, सोनल खिलवानी, कियारा, सतिंदर और शेरिन भी हैं। सनी ने इंस्टाग्राम पर नई रिलीज की तारीख की घोषणा की। साथ ही एक नया मोशन पोस्टर भी जारी किया, जिसमें फिल्म में उनका तीव्र अवतार दिखाया गया है।

अभिनेत्री ने लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि कोटेशन गैंग 30 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में आ रही है। एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव के लिए तैयार हो जाइए। विवेक के कन्नन द्वारा निर्देशित कोटेशन गैंग को कश्मीर, मुंबई और चेन्नई में फिल्माया गया था। पिछले महीने, सनी ने फिल्म का पहला लुक जारी किया था, जिसमें वह चेकर्ड शर्ट और स्कर्ट में दिखाई दी थीं, जिसमें प्रिया मणि के किरदार के साथ ग्रामीण लुक में दिखाई दे रही थी।

सनी ने इस फिल्म के लिए ग्लैमरस अवतार को त्याग दिया है और खुद को एक बोल्ड ग्रामीण माफिया सदस्य की भूमिका में ढाल लिया है। कोटेशन गैंग में सनी एक हत्यारे और कॉन्ट्रैक्ट किलिंग में माहिर एक क्रूर गिरोह के प्रमुख सदस्य की भूमिका निभाती नजर आएंगी। वर्तमान में, सनी युवा-आधारित रियलिटी शो स्प्लिट्सविला 15 की मेजबानी कर रही हैं और रंगीला, वीरमादेवी, कोका कोला, हेलेन और यूआई जैसी आगामी फिल्मों में भी दिखाई देंगी।

नरगिस फाखरी ने ऑफ शोल्डर गाउन में गिराई बिजली

बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी हमेशा अपनी एक्टिंग के जरिए लोगों के बीच छाई हुई रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ जाता है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसने फैन्स का दिल जीत लिया है. नरगिस ने चॉकलेट रंग का ऑफ शोल्डर गाउन पहना हुआ है, जिसमें उनकी खूबसूरती देखते ही बनती है. इस गाउन के साथ हल्का मेकअप, खुले बाल और सिल्वर ब्रेसलेट ने उनके लुक को और भी आकर्षक बना दिया है. तस्वीर में नरगिस अपनी कातिलाना अदाओं से सबको घायल करती नजर आ रही हैं. उनकी इस सेक्सी पोज़ ने फैन्स के बीच हलचल मचा दी है, और कमेंट सेक्शन में उनकी तारीफों की बाढ़ आ गई है.

नरगिस फाखरी की इस तस्वीर को देखकर साफ है कि उनका स्टाइल सेंस बेहद शानदार है और वे फैशन के मामले में हमेशा एक कदम आगे रहती हैं. उनकी इस नई तस्वीर ने एक बार फिर से साबित कर दिया है कि वे बॉलीवुड की सबसे स्टाइलिश एक्ट्रेसेस में से एक हैं। बी-टाउन की खूबसूरत और हॉट हसीनाओं में से एक नरगिस फाखरी किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं।

उन्होंने अपनी अदाकारी का जलवा फैंस के बीच इस कदर बिखेरा है कि लोगों की निगाहें उन पर से हटने का नाम नहीं लेती हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।

खतरों के खिलाड़ी 14 को अलविदा कह चुकी अदिति शर्मा ने बताया अपना अनुभव

स्टंट आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 14 को अलविदा कह चुकीं अभिनेत्री अदिति शर्मा ने बताया कि अपने डर का सामना करने की यात्रा करने में वह जिस तरह से आगे बढ़ी हैं, उसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

शो के चौथे हफ्ते में अदिति के सफर का अंत एक बड़ी चुनौती के साथ हुआ। बिच्छुओं से जुड़े एक स्टंट में उनका सामना शालीन भनोट से हुआ। अपनी पूरी कोशिशों के बावजूद अदिति शालीन से हार गईं।

अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अदिति ने कहा, मैं खुद को खोजने के इस अविश्वसनीय सफर के लिए खतरों के खिलाड़ी 14 का शुक्रिया अदा करती हूं। अपने सबसे गहरे डर का सामना करने से लेकर खतरे का सामना करने तक, मैं उन तरीकों से आगे बढ़ी हूं जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

उन्होंने कहा, मैं इस यात्रा के हर पल, हर दोस्त के लिए आभारी हूं। इस अनुभव ने मुझे सिखाया है कि सच्चा साहस निडर होने के बारे में नहीं है, बल्कि डरे हुए होने पर भी खुद में बने रहने के बारे में है।

यह शो रोमानिया के बुखारेस्ट में फिल्माया गया है और इसकी मेजबानी रोहित शेट्टी कर रहे हैं। प्रतिभागियों की वर्तमान लाइनअप में आशीष मेहरोत्रा, अभिषेक कुमार, गशमीर महाजनी, करण वीर मेहरा, निमृत कौर अहलूवालिया, नियति फतनानी, शालीन भनोट और सुमोना चक्रवर्ती हैं। यह शो कलर्स पर प्रसारित होता है।

नई दिल्ली की रहने वाली अदिति ने 2017 में गुरु रंधावा के साथ तारे नामक एक संगीत वीडियो से अभिनय की शुरुआत की थी। बाद में वह दो पंजाबी संगीत वीडियो नान और बेकड़ा और एक हरियाणवी संगीत वीडियो तू राजा की राज दुलारी में दिखाई दी थीं।

उन्होंने 2018 में जी टीवी के कलीरें में अरिजीत तनेजा के साथ मीरा ढींगरा कपूर के रूप में टेलीविजन पर शुरुआत की थी।

अदिति ने ये जादू है जिन का में रोशनी चौधरी खान और रब से है दुआ में दुआ सिद्दीकी अख्तर की भूमिका निभाई, उन्हें नागिन 3 में एक कैमियो में भी देखा गया था।

27 वर्षीय अभिनेत्री ने वेब सीरीज क्रैश में काम किया है, जो ऑल्ट बालाजी और जी5 पर स्ट्रीम हो रही है। इसमें जैन इमाम, रोहन मेहरा, कुंज आनंद और अनुष्का सेन हैं। इसे निकिता धोंड ने लिखा और कुशाल जावेरी ने निर्देशित किया है। प्रीति गुप्ता इसकी सह-निर्देशक हैं।

प्रोडक्शन हाउस बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ एकता कपूर ने इसका निर्माण किया है।

बॉक्स ऑफिस पर जॉन अब्राहम की वेदा का हाल-बेहाल

जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की फिल्म वेदा का बॉक्स ऑफिस पर कुछ ही दिनों में बुरा हाल हो गया है। जबरदस्त एक्शन से भरपूर इस फिल्म की दैनिक कमाई चंद दिनों में लाखों में सिमट गई है।दर्शकों को इस फिल्म से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने के लिए संघर्ष कर रही है।आइए जानते हैं वेदा के खाते में छठे दिन कितने लाख रुपये आए हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, वेदा ने अपनी रिलीज के छठे दिन यानी मंगलवार को 60 लाख रुपये का कारोबार किया।इसी के साथ अब इस फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 16.10 करोड़ रुपये हो गया है।वेदा का निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया है, वहीं इसकी कहानी असीम अरोड़ा ने लिखी है।जॉन ने इस फिल्म का निर्माण उमेश केआर बंसल, मोनिशा आडवाणी और मधु भोजवानी के साथ मिलकर किया है।

शब्द सामर्थ्य -155

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 154 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द		स	पू	त
ल		ब	ल	वा	न			द
म	ह	क		खा	म	खां		बी
ग्न		त	ल	ना		स	फ	र
	म	रा				ना	टा	
	हि		स				फ	न
	ला	ज	वा	ब		म	ट	र
मां		ग		सं	त	ति		भ
	मा	त	ह	त			प	क्षी

मेरे लिए गंभीर किरदार निभाना मुश्किल था: जैस्मीन भसीन

बिग बॉस 14, फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी और नागिन 4 में काम करने वाली मशहूर अभिनेत्री जैस्मीन भसीन ने कहा है कि उनके लिए एक गंभीर किरदार निभाना बहुत मुश्किल था, क्योंकि उनकी छवि पहले से ही एक बहुत ही खुशमिजाज इंसान की है।

इन दिनों अपनी अपकमिंग पंजाबी फिल्म 'अरदास सरबत दे भले दी' की तैयारियों को लेकर अभिनेत्री ऑस्ट्रेलिया में फिल्म के प्रचार कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात कर रही हैं। वीडियो में जैस्मीन कहती हुई सुनाई दे रही हैं, जब आपकी छवि पहले से ही एक जीवंत व्यक्ति की हो, तो खुद को एक गंभीर भूमिका के लिए तैयार करना बहुत मुश्किल होता है। ऐसे में एक कलाकर के लिए अपने दर्शकों को किसी भूमिका की गंभीरता के बारे में समझाना बहुत मुश्किल हो जाता है। मैं सेट पर हर बार जानबूझकर यही सोचती थी कि, 'जैस्मीन यहां नहीं है, किरदार यहां है'। 'अरदास सरबत दे भले दी' में पंजाबी सुपरस्टार गिप्पी ग्रेवाल, गुरप्रीत सिंह घुग्गी, प्रिंस कंवलजीत सिंह भी हैं। फिल्म को गिप्पी ग्रेवाल ने लिखा और निर्देशित किया है।

विधायक की गिरफ्तारी साय सरकार की बौखलाहट और विपक्ष को बदनाम करने की साजिशः सिंहदेव

बलौदाबाजार की घटना पर पुलिस की कार्यवाही को लेकर कांग्रेस की प्रेसवार्ता

कोरिया बैकुंठपुर। जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी ने विधायक देवेंद्र यादव के खिलाफ हुई पुलिस की कार्यवाही को डिफेंड करने प्रेस वार्ता की गई।

प्रेस वार्ता की प्रभारी पूर्व विधायक अम्बिका सिंहदेव ने प्रेस वार्ता कर बताया कि बलौदाबाजार के मामले में साय सरकार अपनी नाकामी और पूरे देश में हुई बदनामी को छुपाने विपक्ष के नेताओं को परेशान कर रही है। कांग्रेस के विधायक देवेन्द्र यादव की गिरफ्तारी भाजपा की बौखलाहट को दर्शाता है। यह विपक्ष को बदनाम करने की साजिश है। विधायक देवेन्द्र यादव बलौदाबाजार में न भाषण दिये और न ही कलेक्टर ऑफिस प्रदर्शन में शामिल हुये। वे भीड़ में पांच मिनिट रुक कर वापस आ गये थे। कहीं भी किसी हिंसक घटना में उनके संलिप्तता का कोई भी साक्ष्य नहीं और न ही वे किसी भी प्रकार की घटना में शामिल थे। पुलिस ने उनको गलत तरीके से गिरफ्तार किया है। सरकार, पुलिस बताये किन भाजपा नेताओं को नोटिस दिया,पूछताछ की गयी। न्याय संगत कार्यवाही होनी चाहिये। भाजपा सरकार का चरित्र और व्यवहार 8 माह में ही अलोकतांत्रिक हो गया है। पत्रकारों को गलत तरीके से फंसाने उनकी गाड़ी में गांजा रखा जाता है। विपक्ष के विधायक को झूठे मुकदमे में फंसा कर गिरफ्तार किया गया बलौदाबाजार के मामले में सतनामी समाज और कांग्रेस के लोगों को चिन्हांकित करके उनको जेलों में डाला गया। कांग्रेस भाजपा सरकार के इस आतातायी चरित्र से डरने वाली नहीं। इस

प्रकार के कृत्यों से हमारा कार्यकर्ता और मजबूती से सरकार के खिलाफ जनता की आवाज उठायेगा।

बलौदाबाजार में हुई आगजनी की भयावह घटना शासन प्रशासन की बड़ी लापरवाही व सरकार की इंटेलीजेंट के फैल हो जाने के कारण हुई। समय रहते सरकार व प्रशासन सचेत हो जाता व समाज के द्वारा सीबीआई जांच की मांग को पूर्व में ही मान लेता तो प्रदेश को शर्मसार करने वाली घटना से बचा जा सकता था। पूरी घटना के लिये प्रदेश की भाजपा सरकार दोषी है। लचर कानून व्यवस्था और प्रशासन की निरंकुशता व लापरवाही से बलौदाबाजार में सतनामी समाज के आंदोलन में असामाजिक तत्वों की घुसपैठ हुई और इतनी बड़ी घटना को अंजाम दिया गया, जिसके लिए प्रदेश की भाजपा सरकार पूरी तरह दोषी है। साय सरकार की अकर्मण्यता के चलते ही बलौदाबाजार में कानून व्यवस्था बिगड़ी है। यदि समय रहते जैतखाम को क्षति पहुंचाने वालों पर कार्यवाही की गई होती और आहत समाज से संवाद किया गया होता तो ऐसी अप्रिय स्थिति निर्मित नहीं होती। धार्मिक भावनाएं आहत होने पर आंदोलित समाज को विश्वास में लिया गया होता तो ऐसे विध्वंसक प्रतिक्रिया नहीं होती। उन्होंने कहा कि इस पूरे आंदोलन में भाजपा के जिलाध्यक्ष सनम जांगड़े सहित अन्य भाजपा नेताओं की भूमिका की जांच हो। धरना प्रदर्शन को कलेक्टर से परमीशन दिलाने वाला कौन था, रैली में आने वाले हजारों लोगों के लिये भोजन, मंच,पंडाल, माईक के लिए रूपयों की व्यवस्था किसने किया,इतनी बड़ी घटना के बाद भड़काऊ भाषण देने वाले की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई, नागपुर से 250 से अधिक लोग आये थे वो कौन थे, सरकार ने उन पर नजर क्यों नहीं रखा था रैली की शुरूआत से ही उपद्रव शुरू हो गया था, उसके बावजूद लोगों को कलेक्ट्रेट क्यों जाने दिया गया,भीड़ को रोकने की कोशिश क्यों नहीं हुई,आम जनता के वाहन जलाये जा रहे थे,लोगों को दौड़ा कर पीटा जा रहा था,तब पुलिस कहां थी, एसपी किसके इशारे पर शांत बैठे हुए थे,घटना को रोकने के बजाय पलायन क्यों कर गये। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता,पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नजीर अजहर,प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव योगेश शुक्ला,जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अजय सिंह,वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मुख्तार अहमद,वरिष्ठ कांग्रेसी नेता चंद्रप्रकाश राजवाडे, बृजवासी तिवारी, विहारी राजवाडे,विकास श्रीवास्तव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अविश्वास प्रस्ताव के दौरान चाक चौबंद व्यवस्था शिवपुर चरचा में

कोरिया चरचा कालरी। नगर पालिका शिवपुर चर्चा के वर्तमान कांग्रेस समर्थित अध्यक्ष के विरुद्धअविश्वास प्रस्ताव के प्रति सम्मिलन हेतु निर्धारित तिथि23 अगस्त शुक्रवारको पार्षदों के द्वारा किए जाने वाले मतदान हेतु प्रशासन द्वारा चाक चौबंद व्यवस्था की जा रही है पालिका के दोनों रास्तों पर बैरिकेडिंग की जा रही है प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा किसी के भी आने जाने पर पूरी तरह पाबंदी रहेगी निर्वाचन के दौरान पारदर्शिता हेतु वीडियो ग्राफी भी की जाएगी मुख्य नगर पालिका मुख्य नगर पालिका अधिकारी नेतराम रत्नेश ने जानकारी देते हुए कहा कि नगर पालिका कार्यालय में मतदान करने वाले पार्षदों और प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा किसी को भी अंदर आने की आने की अनुमति नहीं है निष्पक्ष और निर्विवाद निर्वाचन हेतु अपर कलेक्टर एस.डी.एम सहित प्रशासनिक अधिकारी नगर पालिका कार्यालय व परिसर की जांच कर रहे हैं इसी क्रम में सुरक्षा व्यवस्था हेतु कोरिया पुलिस के उच्च अधिकारी वी चर्चा थाना के थाना प्रभारी प्रमोद पांडे ने भी सुरक्षा व्यवस्था एवं संभावित परिस्थितियों को दृष्टिगत करते हुए सभी प्रकार की कार्यवाई हेतु पूर्व तैयारी कर ली है

आमने-सामने होंगे भाजपा और कांग्रेस

नगर पालिका शिवपुर चर्चा की वर्तमान अध्यक्ष श्रीमती लाल मुनी यादव के विरुद्ध पालिका के भाजपा समर्थित उपाध्यक्ष राजेश सिंह व पार्षदों के द्वारा कलेक्टर कोरिया के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर अविश्वास प्रस्ताव की मांग की गई थी इसके प्रति कलेक्टर कार्यालय के द्वारा 23 अगस्त के दिन सुबह 12 बजे अविश्वास प्रस्ताव के संबंध में सम्मिलन करने का निर्देश जारी किया गया है अविश्वास प्रस्ताव के दौरान दोनों ही मुख्य राजनीतिक दलों भाजपा व कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की भारी संख्या में उपस्थिति की संभावना है।

वरिष्ठ पार्षद प्रदीप तिवारी की हुई घर वापसी, भाजपा में शामिल हुए

कोरिया चरचा। नगरपालिका शिवपुर चरचा के वरिष्ठ पार्षद प्रदीप तिवारी का लम्बे अर्से बाद भाजपा में घर वापसी हो गया है,संगठन महामंत्री पवन साय एवं भाजपा छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने प्रदीप तिवारी को भाजपा का गमछा पहनाकर पार्टी में पुनर्वापसी कराया, इस दौरान वरिष्ठ विधायकद्वय धरमलाल कौशिक, भैयालाल राजवाड़े,भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल, श्रीमती चम्पा देवी पावले,नपा उपाध्यक्ष राजेश सिंह, नेता प्रतिपक्ष अरुण जायसवाल उपस्थित रहे। नगर पालिका शिवपुर चर्चा में विगत ढाई वर्षों से प्रदीप तिवारी कांग्रेस के पार्षद व पी आइ सी सदस्य हैं आज उनके घर वापसी के दूसरे दिन यानी 23 अगस्त को नगर पालिका शिवपुर चर्चा के वर्तमान अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव का सम्मिलन होना है ऐसी स्थिति में प्रदीप तिवारी के भाजपा में शामिल होने से निश्चित ही भाजपा संगठन को लाभ होगा और अविश्वास प्रस्ताव में भाजपा के मतों की संख्या बढ़ जाएगी। संगठन महामंत्री पवन साय,भाजपा छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव,वरिष्ठ विधायकद्वय धरमलाल कौशिक, भैयालाल राजवाड़े,भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल ने कहा कि पार्षद प्रदीप तिवारी के भाजपा में घर वापसी से पार्टी को मजबूती मिलेगी। आपको बताना लाजमी है कि श्री तिवारी पूर्व में भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष रहते हुए पार्टी के मजबूती के लिए काम कर चुके हैं।

दिव्यांगजन समाज पर बोझ नहीं हैं: राज्यपाल

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में यहां 'दिव्य कला शक्ति' कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमे दिव्यांगजनों ने अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी, रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि एवं पूरे देश से आये दिव्यांग उद्यमी एवं कलाकार उपस्थित थे।

विकासखंड स्तरीय राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की टास्क फोर्स की बैठक संपन्न

सूरजपुर। जिले के कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशन में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सागर सिंह की अध्यक्षता में ब्लॉक स्तरीय राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की ब्लॉक टास्क फोर्स की बैठक अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय भैयाथान में आहूत की गई। जिसमें सभी विभागीय अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे, विकासखंड स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। समस्त अधिकारी/ कर्मचारी एवं अन्य विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 29 अगस्त 2024 को मनाया जाएगा। साथ ही छूटे हुए बच्चों को मॉप-अप दिवस के रूप में 4 सितंबर 2024 को कृमि की दवा खिलाई जायेगी, इस कार्यक्रम को सफल बनाने एवं लक्ष्य पूर्ति हेतु व्यापक प्रचार प्रसार, रैली शासकीय स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्रो में आवश्यक प्रचार प्रसार करने हेतु निर्देश दिए गए। साथ ही सभी शासकीय व निजी स्कूल प्राइवेट, आईटीआई, कॉलेज, आंगनबाड़ी केंद्रो में एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस आयोजन राज्य के सभी 33 जिलों में किया जा रहा है, जिसमें एक वर्ष से लेकर 19 वर्ष के सभी बच्चों / किशोर किशोरियों को कृमि नाशक दवा एल्बेंडाजोल 400 एमजी खिलाई जाएगी। इस अभियान के तहत शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा तकनीकी शिक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वच्छ भारत मिशन, पंचायत ग्रामीण विकास एवं स्वास्थ्य विभाग तथा समस्त मितानिन बीसी, एमटी एवं अन्य संस्थाओं से सहयोग लिया जाना उचित होगा, विकासखंड ओड़गी में कुल लक्ष्य 35667 बच्चों को एनडीडी की गोली खिलाई जानी है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों /किशोर किशोरियों के स्वास्थ्य एवं पोषण का स्तर बेहतर, एनीमिया की रोकथाम बौद्धिक विकास तथा शाला में उपस्थिति में सुधार हो सके इस कार्यक्रम को सफल कियान्वयन हेतु अंतर विभागीय की मुख्य भूमिका अपेक्षाएं निम्न अनुसार दी गई है महिला बाल विकास विभाग की ओर से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की अपने क्षेत्र के गैर पंजीकृत एवं सात त्यागी बच्चों की सूक्ष्म कार्य योजना तैयार कर दवा सेवन करने में सहयोग प्रदान करना। तथा शिक्षा विभाग की भूमिका सभी स्कूल में पंजीकृत 6 वर्ष से लेकर 19 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों की कोशोर ,किशोरियों की निर्धारित खुराक के अनुसार दवाई खिलाई जाने में सहयोग प्रदान करना। साथी पंचायत में ग्रामीण विकास विभाग की भूमिका ग्राम पंचायत एवं ग्राम सभा में कृमि मुक्ति के बारे में जानकारी दिया जाना,साथ ही इस दिवस में शत प्रतिशत बच्चों को कृमि मुक्ति से मुक्ति करने के लिए चर्चा करना तथा तथा समुदाय में जन जागरूकता फैलाने में मदद करना, साथ ही सरपंच कोटवारों के माध्यम से अपने क्षेत्र में प्रचार प्रचार प्रसार कर मुनादी कराया जाना आवश्यक होगा मितानिनों को भूमिका सभी कार्यकर्ताओं को समुचित बच्चों के बारे में पूर्व तैयारी कर निर्धारण केंद्रो में उपस्थित कराए जाने में सहयोग प्रदान करना ताकि शत प्रतिशत बच्चों को एल्बेंडाजोल की खिलाई जा सके कार्यक्रम समापन के पश्चात रिपोर्टिंग हेतु समय सीमा पर विकासखंड स्तर एवं जिला स्तर पर गूगल शीट एवं डेटा संकलित कर उच्च कार्यालय को समय सीमा पर भेजा जाना अनिवार्य होगा। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के बेहतर समन्वय हेतु सभी विभागीय अधिकारी कर्मचारियों को कार्यशाला आयोजित कर प्रशिक्षित किए जाने हेतु निर्देशित दिए गए इस दौरान ब्लॉक ओड़गी एवं भैयाथान के ब्लॉक स्तर के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे, विकासखंड ओड़गी से मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉक्टर नृपेंद्र सिंह, विनय गुप्ता सीईओ भैयाथान, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक सखन आयाम, ब्लॉक नोडल तोपान सिंह दायमा एवं खंड विस्तार प्रशिक्षक अधिकारी डीए एन0 रवि एवं केपीए रवि बिटीओ विकासखंड शिक्षा अधिकारी, सहायक शिक्षा अधिकारी, परियोजना अधिकारी भैयाथान, ओड़गी, मितानिन कार्यक्रम ब्लॉक समन्वयक श्रीमती लीलावती यादव विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रतिनिधि उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन बीपीएम आयाम ओड़गी के द्वारा किया गया।

पीएम आवास योजना को लेकर ग्राम सभा का किया जा रहा आयोजन

सूरजपुर। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशानुसार व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती कमलेश नॉदिनी साहू के मार्गदर्शन में विकासखण्ड भैयाथान के समस्त ग्राम पंचायतों में लगातार ग्राम सभा आयोजन किया जा रहा है। जिसमें ग्राम पंचायत भंवरही, लक्ष्मीपुर, सावांरावां, कटिन्दा, धरमपुर, जुर सहित अन्य सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा आयोजित किया गया। जिसमें आगामी दिनों में आवास से लाभान्वित होने वाले परिवारों की दो सूची स्थाई प्रतीक्षा सूची तथा आवास प्लस सूची जिसमें 5204 तथा 2150 परिवारों के पात्रता व अपात्रता का अनुमोदन किया गया। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2016-23 तक के 450 हितग्राही जिन्होंने राशि लेने के पश्चात् आवास पूर्ण अभी तक नहीं कराई है। उनके नामों का वाचन किया गया तथा 15 दिवस तक अंतिम समय उन्हें दिया गया। उसके पश्चात उनके आवासों को निरस्त करते हुए दी गई राशि की वसूली के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय भेज दी जाएगी। साथ ही आगामी किस्त जारी नहीं की जाएगी। उक्त सभी नामों को ग्राम पंचायत भवन सार्वजनिक स्थल पर चस्पा किया गया है।

फोरम फॉर फास्ट जस्टिस के संभाग प्रमुख डीके सोनी को किया गया सम्मानित

रामानुजगंज। सरगुजा संभाग के सुप्रसिद्ध आरटीआई एक्टिविस्ट एवं फ़ोरम फॉर फास्ट जस्टिस के संभाग प्रमुख डीके सोनी के भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए विदेश में 1 एवं देश में कुल 30 पुरस्कार मिलने पर नगर में फ़ोरम फॉर फास्ट जस्टिस के द्वारा अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया जहां उन्हें शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी ने एक स्वर में उनके कार्यों की मुक कंठ से प्रशंसा की। फ़ोरम फॉर फास्ट जस्टिस के विकास दुबे एवं संतोष यादव ने कहा कि डीके सोनी विगत कई वर्षों से भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई लड़ रहे हैं उनके द्वारा सरगुजा संभाग में कई बड़े-बड़े भ्रष्टाचार के खुलासे किए गए। निश्चित रूप से भ्रष्टाचार के विरुद्ध उनके आवाज बुलंद करने से भ्रष्टाचार में लगाम लगा है। उनके कार्यों को आज पूरे देश में जाना जा रहा है विभिन्न मंचों से उन्हें सम्मानित किया जा रहा है यहां तक की विदेश में भी उन्हें सम्मान मिला। फ़ोरम फॉर फास्ट जस्टिस के मिशेल केसरी एवं पियुष गुप्ता ने भी डीके सोने के कार्यों की जमकर प्रशंसा की उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई में पूरा संभाग उनके साथ है।फ़ोरम फॉर फास्ट जस्टिस के बलरामपुर रामानुजगंज जिले के उपाध्यक्ष प्रमोद मिश्रा ने कहा कि डीके सोनी के द्वारा जिस प्रकार से भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई लड़ा जा रहा है निश्चित रूप से इसका फायदा पूरे समाज को मिल रहा है।इस दौरान फ़ोरम फ़ॉर फास्ट जस्टिस के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

साइकिल से 4 धाम और 12 ज्योतिर्लिंग की यात्रा पर निकले यूपी के रोमित योगी रामानुजगंज पहुंचे

रामानुजगंज। उत्तर प्रदेश के साम्बली जिला के कैराना विधानसभा के ग्राम शीतलगढ़ी के निवासी 25 वर्षीय रोमित योगी चार धाम और 12 ज्योतिर्लिंग एवं संपूर्ण भारत यात्रा पर साइकिल से 12 मई 2024 से निकले हुए हैं। जो बीती रात रामानुजगंज झारखंड होते पहुंचे। साइकिल यात्रा से निकले 100 में दिन रामानुजगंज पहुंचे रोमित योगी ने बताया कि पहले भी मैंने तीर्थ यात्रा की है परंतु वाहन एवं ट्रेन से की है परंतु प्रकृति से मुझे प्रेम रहने के कारण मैं साइकिल से निकला ताकि अनावश्यक रूप से ईंधन का वहन न हो और वातावरण प्रदूषित न हो प्रतिदिन 60 से 70 किलोमीटर साइकिल से यात्रा संभव हो पता है। उन्होंने बताया कि बाबा केदारनाथ बद्रीनाथ, यमुनोत्री,गंगोत्री, बाबा काशी विश्वनाथ,बैजनाथ धाम सहित अन्य धामो के दर्शन करते हुए यहां तक पहुंचा हूं। यहां के बाद उज्जैन, ओंकारेश्वर सोमनाथ, नागेश्वर महाराष्ट्र में भीमाशंकर इस प्रकार से यात्रा मेरी चलती रहेगी। रामानुजगंज में नगर पंचायत के कर्मचारी अजय गुप्ता के द्वारा रुकने एवं भोजन की व्यवस्था कराई। टेंट की भी व्यवस्था लेकर चलते हैं। रोमित योगी बताते हैं कि ऐसे तो हर जगह मंदिर में रुकने की जगह मिल जाती है परंतु कई बार ऐसी आपात स्थिति होती है कि वह व्यवस्था नहीं मिल पाती है ऐसे में टेंट भी साथ में लेकर चलता हूं टेंट लगाकर भी सोने की व्यवस्था हो जाती है।

जनसमस्या निवारण शिविर में 130 आवेदन प्राप्त, 26 आवेदन का स्थल पर निराकरण

कलेक्टर ने आम लोगों से रूबरू होकर जानी समस्या

लाभार्थियों ने दिया मुख्यमंत्री और कलेक्टर को धन्यवाद

कोरिया बैकुंठपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन बैकुंठपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत नगर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया गया। जिलास्तरीय जनसमस्या निवारण का यह तीसरा शिविर है। इसके पहले पटना एवं भैंसवार में शिविर का आयोजन किया जा चुका है।

शिविर स्थल पर महिला एवं बाल विकास, कृषि, श्रम, स्वास्थ्य, खाद्य, पशुपालन आदि विभागों में संचालित योजनाओं के बारे में विभागीय अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को विस्तार से जानकारी दी। साथ ही इन योजनाओं से जुड़कर लाभ उठाने की अपील की तथा अधिक जानकारी के लिए ग्राम पंचायत सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता या जिला कार्यालय पहुंचकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने षिविर स्थल पर पहुंचकर आम लोगों से मुलाकात की, ग्रामीणों से समस्याओं, मांगों और जरूरतों के बारे में चर्चा भी की। षिविर स्थल में लगे स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देष दिए कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को योजनाओं के बारे में जानकारी दें तथा इन योजनाओं से होने वाले लाभ के बारे में अवष्य बताएं। श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि षिविर का उद्देष यही है कि आम लोगों की छोटी-छोटी समस्याओं को तत्काल निराकरण करना, उन्हें सही जानकारी से अवगत कराना, पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाना, आवेदक के आवेदनों पर सहानुभूतिकपूर्वक विचार करते हुए निराकरण की दिषा में आगे बढ़ना है। श्रीमती त्रिपाठी ने ग्रामीणों से कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं से अवगत हों और उन योजनाओं के तहत लाभ प्राप्त करें। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी, गोदभराई रस्म तथा अन्नप्राषन कार्यक्रम में शामिल हुए और षिषुओं को खीर भी खिलाए। इस अवसर पर उन्होंने गर्भवती एवं षिषुवती महिलाओं से कहा कि सेहत का विषेष ध्यान रखें। भरपूर पौष्टिक एवं गरम भोजन समय पर करें, क्योंकि स्वास्थ्य से बढ़कर कोई धन नहीं है। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहियकाओं को महिलाओं एवं बच्चों को नियमित रूप से पोषण आहार देने के निर्देष भी दिए। ग्राम छिंदिया से पहुंचे बुजुर्ग हरप्रसाद एवं मोहन लाल से कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने मुलाकात कर समस्या के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारी को आवेदन पर निराकरण करने के लिए निर्देष दिए।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि जो भी समस्या, शिकायत व मांग हो, उस सम्बन्ध में आवेदन देकर जानकारी दें। उन्होंने कहा कि जो भी समस्या है उसकी जांच की जाएगी व शीघ्र समाधान की जाएगी। जिला पंचायत के सदस्य श्रीमती वंदना राजवाड़े ने कहा कि षिविर के माध्यम से अपनी समस्याओं का निराकरण करें और योजनाओं का लाभ लें। जिला पंचायत सीईओ डॉ. आषुतोष चतुर्वेदी ने कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर का उद्देश्य यही है कि शासन-प्रशासन के सभी विभागों को एक जगह उपस्थित होकर आम लोगों की समस्या, जरूरत, मांग को यथा समय समाधान करना है ताकि जरूरतमंद व पात्र हितग्राहियों व जनहित के मुद्दे का निराकरण कर सकें। शिविर में सरस्वती सायकल योजना के तहत दस छात्राओं को सायकल, आठ दिव्यांगों को ट्रायसायकल, छड़ी, बैषाखी, मुख्यमंत्री नोनी सषक्तीकरण सहायता योजना के तहत दो हितग्राहियों को 20-20 हजार रूपए का चेक वितरण किया गया। साथ ही एक पेड़ मां के नाम योजना के तहत 600 से अधिक पौधे वितरण किया गया और स्कूल परिसर में पौधारोपण भी किया गया। जनपद पंचायत, बैकुण्ठपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एलेक्जेण्डर एक्का ने जानकारी दी कि स्वास्थ्य विभाग में 117 लोगों ने पंजीयन कराया, जिसमें आयुष्मान कार्ड हेतु 16 आवेदन प्राप्त हुए, 47 सिकलसेल जांच कराए गए तथा मधुमेह व बीपी के मरीजों को जांच उपरांत दवाई दिए गए। इसके अलावा श्रम कार्ड बनाने हेतु 40 आवेदन प्राप्त हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को आठ, खाद्य विभाग को छह, विद्युत विभाग को 12, राजस्व से संबंधित 46 आवेदन प्राप्त हुए हैं इस तरह 130 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसमें से 26 आवेदनों का निराकरण शिविर स्थल पर किया गया। ट्रायसायकल प्राप्त होने पर अशोक कुमार एवं श्रीमती रतनी बाई ने मुख्यमंत्री एवं कलेक्टर का आभार व्यक्त की। शिविर में बैकुण्ठपुर जनपद अध्यक्ष श्रीमती सौभाग्यवती खुसरो, जनपद सदस्य रामचंद्र राजवाड़े, सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper
www.tarunchhattisgarhkorba.com

तीन हाथी पहुंचे गीतकुंआरी में

कोरबा। रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ वनमंडल से तीन हाथियों का दल कोरबा वनमंडल अंतर्गत कुदमुरा रेंज में आ गया है। हाथियों के इस दल को आज सुबह रेंज के गीतकुंआरी गांव के जंगल कक्ष क्रमांक 1106 में विचरण करते हुए देखा गया और ग्रामीणों द्वारा इसकी जानकारी वन विभाग को दी गई। जिस पर वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचकर हाथियों की निगरानी करने के साथ गीतकुंआरी व आसपास के गांवों में मुनादी कराने जुट गया है। ग्रामीणों से मुनादी के जरिए कहा जा रहा है कि क्षेत्र के जंगल में हाथियों की दस्तक हो गई है। अत: वे सतर्कता बरतने के साथ उससे दूरी बनाए रखें। हाथियों ने आते ही तत्काल बड़ा नुकसान नहीं पहुंचाया है लेकिन उत्पात की संभावना बनी हुई है जिसे देखते हुए वन विभाग सतर्कता पर जोर दे रहा है।

नए स्थान पर सेवाएं देंगे अधिकारी

कोरबा। पुलिस अधीक्षक ने कुछ थाना और चौकी के प्रभारियों को बदल दिया है। उरगा से स्थानांतरित टीआई के.के.वर्मा ने आज करतला में आमद देने के साथ चार्ज लिया। वहीं मानिकपुर का चार्ज लेने के लिए मोरगा चौकी प्रभारी नवीन पटेल रवाना हुए हैं। मानिकपुर चौकी प्रभारी प्रेमचंद साहू को उरगा जैसे बड़े थाने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने आजकल में ही यह काम करने का मन बनाया है। जबकि सीएसईबी चौकी इंचार्ज भीमसिंह यादव को कोरबा जिले के सीमांत क्षेत्र मोरगा की जिम्मेदारी दी गई है। इन सभी को यथाशीघ्र नवीन पदस्थापना पहुंचने और सूचना देने को कहा गया है।

निचली बस्तियों में समस्या

कोरबा। गुरुवार से बना हुआ बारिश का क्रम एक बार फिर परेशानी पैदा करता नजर आ रहा है। जमकर बारिश होने से निचली बस्तियों में जल जमाव जैसी स्थिति पैदा हो गई है। लोगों के सामने अपनी संपत्ति को बचाने की चुनौती है।

ताम्र पाषाण युग से रहा है कोरबा का रिश्ता, पुरातत्व विशेषज्ञ तलाश रहे संभावना

45 से अधिक चित्रों की खोज हुई इस सिलसिले में

कोरबा। बिजली, कोयला और एल्युमिनियम उत्पादन को लेकर प्रदेश और देश में कोरबा की पहचान बनी हुई है। इतना ही नहीं कोरबा जिले की गेवरा खदान को दुनिया की सबसे बड़ी खदान का दर्जा मिला हुआ है। यह तो हुई नई पहचान लेकिन किसी को भी यह जानकार हैरानी हो सकती है कि आदिकाल सभ्यता के चरण भी यहां पड़े। ताम्र पाषाण युग यानी मैसोलिथिक कालखंड से भी कोरबा का गहरा रिश्ता रहा है। हाल में ही 45 से ज्यादा शैलचित्र जिले में मिले हैं, जिनसे इस बात का पता चलता है। जिला पुरातत्व संग्रहालय के प्रभारी और संस्कार भारती में प्राचीनकला विधा से जुड़े हुए हरिसिंह क्षत्री ने यह अनुसंधान किया है। कोरबा तहसील की बेला ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम दूधाटांगर क्षेत्र में ताम्रपाषाण युग की प्राचीन गुफा में यह शैल चित्र मिले। इनमें हिरण, सांभर, कुत्ता, बकरी, सियार के अलावा पदचिन्ह व मानव आकृति सहित जयमिती चित्र शामिल हैं। उन्होंने विश्व के जाने माने पुरातत्ववेत्ता केके मोहम्मद, कर्नाटक के रवि कोरीसेट्टार, वाकड़ार शोध संस्थान उज्जैन के पदाधिकारी विनिता देशपांडेय और स्थापत्यकला के विशेषज्ञ इंदौर बंकापुरे को वीडियो कॉल से जानकारी दी। विशेषज्ञ ने चित्रों को महत्वपूर्ण बताया और इनके डॉक्युमेंटेसन करने के निर्देश दिए।

लघु उपकरणों की खोज जरूरी

विशेषज्ञों ने कहा कि जिन इलाकों से यह चित्र प्राप्त हुए उनके आसपास लघु उपकरण हो सकते हैं इसलिए उनकी खोज की जानी चाहिए। कारण यह है कि खोज के दौरान माइक्रोलिथ मिला है। पद्मश्री केके मोहम्मद ने इन्हें ताम्रपाषाण युग यानी लगभग 4 हजार वर्ष पहले का होना बताया। हरि सिंह क्षत्रिय ने अब कि यह दूसरी गुफा तलाशी है। इससे पहले ग्राम पंचायत लेमरू के बढ़नी में ऐसी खोज की गई थी। दोनों गांव के बीच 30 किमी का अंतर है, लेकिन चित्र समानता रखते हैं। बताया गया कि हसदेव घाटी की पुरातात्विक संपदा के नाम से प्रकाशित की जाने वाली पुस्तक में इन सभी चीजों का समावेश किया जा रहा है।

हलषष्ठी पूजा : बाजार में पहुंचा सामान

कोरबा। महाभारत काल में कुंति और माधुरी के द्वारा पुत्रों के दीर्घ जीवन की कामना से किया गया हलषष्ठी व्रत अब भी जारी है। भाद्र पद कृष्ण पक्ष की षष्ठी को यह पूजा की जाएगी। परंपरागत पूजा की सामाग्री स्थानीय बाजार में उपलब्ध हो गई है जिसकी खरीदी के लिए उपासक वर्ग उत्साहित है।

15 प्रतिशत तक बढ़े मूर्तियों के भाव

कोरबा। भादो के दूसरे पक्ष में गणेशोत्सव मनाया जाएगा। सैकड़ों स्थान पर प्रथम पूज्य भगवान गणेश की छोटी-बड़ी मूर्तियां स्थापित करने के साथ इनकी पूजा की जाएगी। कोरबा और कुछ अन्य स्थानों पर इन दिनों मूर्ति निर्माण का काम चल रहा है। निर्माण से जुड़ा वर्ग बताता है कि कच्चे माल के अलावा दूसरी चीजों की कीमत बढ़ी है। इसलिए लगभग 15 प्रतिशत तक लागत में बढ़ोत्तरी हुई है। निश्चित रूप से इसका असर आयोजकों पर पड़ेगा ही।

मनमाने तरीके से खड़े किए वाहन पर लॉक

कोरबा। शहरी क्षेत्र में आवागमन को सहूलियत भरा बनाने के लिए कोशिश जारी है। किसी भी इलाके में मनमानी करने को सख्ती से निपटा जा रहा है। ट्रैफिक पुलिस ने किसी प्रकार की मुरव्वत बरतते हुए ऐसे प्रकरणों में वाहनों पर लॉक करने की कार्रवाई शुरू की है। इसे आगे भी जारी रखा जाएगा।

मुख्य मार्ग पर पुलिस ने ऐसी कई गाड़ियों के पहियों को लॉक कर दिया जो निर्धारित लाइन के बाहर खड़े किए गए थे और आवागमन को बाधित कर रहे थे। जिले में एसपी सिद्धार्थ तिवारी और ट्रैफिक व्यवस्था को संभाल रहे एडिशनल एसपी नेहा वर्मा के नेतृत्व में कार्रवाई जारी है। ट्रैफिक पुलिस के एएसआई रामनारायण राजे, आरक्षक रघुवीर सिंह, रामचंद्र, मेलाराम के द्वारा अपने क्षेत्राधिकार में अभियान पर काम किया गया। उन्होंने इस रास्ते पर कई वाहनों को नियम विरूद्ध तरीके से पट्टरी के बाहर खड़ा हुआ पाया। चेतावनी देने के बाद भी खास असर नहीं होने को लेकर ऐसे वाहनों पर पुलिस ने लॉक की कार्रवाई की। उनके प्रमाण के तौर पर वीडियो बनाए। मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर पेनाल्टी की गई। बताया गया कि सभी क्षेत्रों में यातायात से संबंधित परेशानियों को दूर करने एवं आम लोगों को राहत देने के लिए कोरबा जिले में कोशिश जारी है। ट्रैफिक पुलिस ने अपने संसाधनों का सही उपयोग करने के अलावा अलग-अलग क्षेत्र में उपस्थिति दर्ज कराते हुए लोगों को अभियान के बारे में जानकारी दी। कहा गया कि हर किसी को ट्रैफिक नियमों की जानकारी होना चाहिए और इसे पालन करने को लेकर गंभीरता दिखानी होगी। जहां कहीं ऐसे प्रकरण हमारी जानकारी में आएंगे, कार्रवाई होगी है।

पीएच रोड और निहारिका में ज्यादा समस्या

कोरबा के पावर हाउस रोड और ओपन थिएटर से निहारिका मार्ग पर समस्याएं कुछ ज्यादा हैं। कारण यह है कि इन क्षेत्रों में सड़कों की चौड़ाई अपर्याप्त है और इसके विरूद्ध वाहनों का दबाव कहीं ज्यादा है। उपर से दुकानों का सामान सड़क तक निकाले जाने की हठधर्मिता से व्यवसायी बाज नहीं आ रहे हैं। बार-बार इसे लेकर चेतावनी दी जाती रही है लेकिन लोग समझने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। ऐसे में इन क्षेत्रों में पुलिस को सख्त कार्रवाई करने आवश्यकता है।

बिजली कर्मियों की सेवा नहीं की तो वार्डवासियों को डाला अंधेरे में

कोरबा। नगर पंचायत छुरीकला के वार्ड क्रमांक-1 बिंझपुर मोहल्ला पिछले 20-25 दिनों से बिजली के अभाव में अंधेरे में डूबा है।

बिंझपुर में विद्युत विभाग द्वारा बिजली आपूर्ति हेतु ट्रांसफार्मर लगाया गया था जो खराब होने से पिछले 20-25 दिनों से पूरे वार्ड की बिजली बंद पड़ी है। सुधारने को लेकर नगर अध्यक्ष, वार्ड पार्षद और वार्ड के लोगों द्वारा विद्युत अधिकारी कटघोरा को सूचना दिया गया परंतु हठधर्मिता से बिजली सुधारने को लेकर कोई सुध नहीं ली गई। वार्ड के लोगों का कहना है बिजली बंद होने से पेयजल आपूर्ति पूरी तरह बाधित है और नदी, तालाब, कुंआ के गंदा पानी को पीना पड़ रहा है। बिजली सुधारने व नया ट्रांसफार्मर लगाने विद्युत अधिकारी से कई बार मांग की गई थी, नहीं देने पर बिजली बहाल नहीं की गई। ट्रांसफार्मर लगाने के बाद भी लोगों को अंधेरे में दीया और मोमबत्ती के सहारे रात बितानी पड़ रही है। दो दिनों में वार्ड की बिजली बहाल नहीं की गई तो वार्ड के लोगों द्वारा जनआंदोलन किया जायेगा।

टाप इन टाउन में जुआ खेलते आरोपियों को दबोचा पुलिस ने

कोरबा। सिविल लाइन एरिया में संचालित होटल टाप इन टाउन के कमरा नं. 114 में कुछ व्यक्ति ताश पत्तो से पैसे का दाँव लगा कर जुआ खेल रहे थे। इसकी सूचना प्राप्त होने पर थाना प्रभारी को अवगत कराकर सिविल लाईन थाना रामपुर से आरक्षक योगेश राजपूत, अर्जुन सिंह कंवर, शेख शहबान के साथ होटल टाप एण्ड टाउन में दबिश दी। होटल के कमरा नं. 114 में अफसर खान पिता मुस्तफा खान 44 वर्ष निवासी इंदिरा मार्केट म.नं. 842, रवि शंकर केसरी पिता मोहर लाल केसरी 45 वर्ष निवासी शिव मंदिर के पास रामपुर, रवि कुमार साव पिता कछू साव 29 वर्ष रामपुर बस्ती शिव मंदिर के पास मुकेश 42 वर्ष निवासी आरपी नगर, मोहन लाल महिलांगे एमपीनगर, राजू साहनी रिस्दी द्वारा दाँव लगा कर जुआ खेलते हुए पाया गया। उक्त जुआडियों के पास एवं फड़ से नगदी राशि 27 हजार 830 रूपये एवं नगदी रकम,ताश की पत्तियां आदि बरामद किया गया। सभी के विरुद्ध जुआ एक्ट की धारा 5 के तहत जुर्म दर्ज किया है।

बीकेकेएमएस की रैली आज

कोरबा। भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन सदस्यता अभियान के दौरान पूरे एसईसीएल में सब से अधिक सदस्य बनाने पर भारी खुश है।आज बीकेकेएमएस के कार्यकर्ताओं के दौरान बिलासपुर मुख्यालय में एक जोर दार रैली निकाली जा रही है। बसंत बिहार से यह रैली निकलकर सीएमडी कार्यालय पहुंचेगी इस रैली में सभी एरिया के कार्यकर्ताओं को बुलाया गया है। कोरबा एरिया से अशोक, सूर्यवंशी , रंजय सिंह, शैलेन्द्र सिंह, राजेन्द्र यादव, बाबूलाल चन्द्रा, दादू लाल संजय सिंह , मिनी लाल, कुसमुंडा से अमिया मिश्रा जसवर्त साहू, राहुल वर्मा, गेवरा से प्रीतम राठौर,विरेन्द्र राठौर, कुलदीप कुमार, बाबू सिंह कंवर ,शिव कुमार साहू, राहुल कुर्रे शामिल होगें। बालको क्षेत्र से भी शरद नायर, माखन वर्मा, विद्युत मंडल कोरबा पूर्व से नंवरब बरेठ, संदीप राठौर, कोरबा पश्चिम से केदार राठौर, अजय मिश्रा आर.एस. जयसवाल, हेतराम खुटे को बुलाया गया।

लोगों के सामने उतर गया झूठ का नकाब

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा के महापौर राजकिशोर प्रसाद के जाति प्रमाण पत्र को रितु चौरसिया की शिकायत जिला स्तरीय छानबीन समिति द्वारा विस्तृत जांच हेतु प्रेषित प्रकरण पर आदिम जाति विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति ने निरस्त कर दिया है।

महापौर चुनाव के वक्त भाजपा से प्रत्याशी रही रितु चौरसिया के द्वारा महापौर राजकिशोर प्रसाद के द्वारा फर्जी जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने का आरोप लगाया था, जिसे सिद्ध करने के लिए भाजपा नेत्री रितु चौरसिया को साढ़े चार साल का वक्त लग गया और ज्ञात रहे कि मार्च 2024 में जिला स्तरीय प्रमाण पत्र सत्यापन समिति द्वारा मा पर राज किशोर प्रसाद के जाति प्रमाण पत्र को निर्लंबित कर विस्तृत जांच हेतु मामला प्रदेश स्तरीय समिति को प्रेषित कर दिया गया था प्रदेश स्तरीय छंव में समिति में भी राज किशोर प्रसाद अपना पक्ष साबित करने में असफल रहे अंतत: उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति के द्वारा महापौर राजकिशोर प्रसाद की जाति प्रमाण पत्र को निरस्त कर दिया गया है।

इस पर मीडिया से चर्चा करते हुए रितु चौरसिया ने बताया कि यह सच्चाई की जीत है आखिरकार महापौर के झूठ का नकाब कोरबा के लोगों के सामने उतर गया है और उन्हें अपने पद पर बने रहने का कोई हक नहीं है। इतनी लंबी लड़ाई के बाद जीत मिलना यह कोरबा की जनता की जीत है, जो महापौर राजकिशोर प्रसाद के कार्यकाल के दौरान अपने आप को छला हुआ महसूस कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति के सामने तीन बार उन्हे तथा राजकिशोर प्रसाद को जाति को लेकर अपना पक्ष रखने बुलाया गया था। समिति के द्वारा दोनों पक्षों की सुनवाई के पश्चात आखिरकार सत्य की जीत हुई और समिति ने महापौर राजकिशोर प्रसाद की जाति प्रमाण पत्र पर निरस्त करने हेतु जिला कलेक्टर, उपपुलिस अधीक्षक, विजलेंस सेल को निर्देश दिया है।

एसईसीएल की कालोनियों में पसरी गंदगी, बढ़ा बीमारियों का खतरा

कोरबा। एसईसीएल कोरबा क्षेत्र सुभाष ब्लॉक और ट्रिलिंग कैम्प कॉलोनी सहित अन्य कॉलोनियों में भी इस बरसात के मौसम में कर्मचारी एवं उनके परिजन डेंगू एवं मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हैं। इसकी मुख्य वजह आसपास इधर उधर फैली गंदगी है।

पूरी कॉलोनी में गंदगी का आलम है ।यह जो कचरा या गंदगी दिख रही है यह ट्रिलिंग कैंप आवासीय परिसर का है जिस मार्ग से डीएवी, आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल और शासकीय स्कूलों के बच्चों के अलावा कॉलोनी के कर्मचारी व उनके परिवार के लोगों का हमेशा आना जाना होता है ।सिविल विभाग की निष्क्रियता के कारण संबंधित सफाई ठेकेदार 2-3 माह तक या इससे भी ज्यादा सफाई का कार्य नहीं करवाते है जबकि ठेकेदार को नियमित कचरा उठाने का टेंडर जारी किया जाता है।

आलम ये है कि वर्तमान में कॉलोनी की साफ सफाई या उनसे जुड़ी समस्याओं को देखने वाला कोई नहीं है। ठेकेदार को प्रबंधन का कोई भय नहीं है। लिहाजा यहां सवाल उठना लाजिमी है कि प्रबंधन को ठेकेदार का भय क्यों नहीं है। वहीं कर्मचारी प्रबंधन के डर से अपनी बात को या समस्या को रख पाने में असहज महसूस करते हैं। कॉलोनी में रहना मजबूरी सी बन गई है। इसके अलावा कॉलोनी के अंदर आवारा कुत्तों की जनसंख्या इतनी ज्यादा हो गई है कि वे कभी भी किसी बच्चे या राहगीरों को काटकर घायल कर देते हैं। कॉलोनीवासियों की सुरक्षा का ध्यान रखने वाला कोई नहीं है । प्रबंधन सिर्फ साफ सफाई पखवाड़ा या स्वच्छता पखवाड़ा मना कर स्लोगन पर अपनी साफ सफाई का संदेश मात्र दे रहा है। एसईसीएल के अफसरों की कॉलोनी की सफाई हो जाने से ऐसा प्रतीत होता है मानों पूरा कॉलोनी साफ सुथरा या स्वच्छ है। जबकि सामान्य कर्मचारियों की कालोनियों में कूड़ा करकट महीनों तक पड़ा रहता है।

अगर कॉलोनी की साफ सफाई पर प्रबंधन ध्यान नहीं देते हैं तो आने वाले समय में भारी तादाद में कर्मचारी एवं कर्मचारियों के परिजनों के डेंगू मलेरिया या अन्य गंभीर बीमारियों की चपेट में आने की पूरी आशंका है।

कॉलोनीवासियों की शिकायत पर वार्ड पार्षद शैलेंद्र सिंह ने एसईसीएल मुख्य महाप्रबंधक को पत्र लिखते हुए सिविल विभाग के लापरवाह अधिकारियों और ठेकेदारों पर उचित कार्रवाई करते हुए कॉलोनी की साफ-सफाई की व्यवस्था को तत्काल दुरस्त करने की मांग की है।

कांग्रेसियों का धरना कल

कोरबा। विधायक देवेन्द्र यादव के गिरफ्तारी के विरोध में पूरे प्रदेश भर में कांग्रेसियों के द्वारा कल आंदोलन चलाया जाएगा। सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत के नेतृत्व में टीपी नगर चौक में धरना आयोजित है। इस धरना में दीपका ब्लाक अध्यक्ष दिलीप सिंह, विशाल शुक्ला, बांकी मोगरा ब्लाक अध्यक्ष टीकाराम मनहरण, राजेश मानिकपुरी प्रदीप अग्रवाल, नवल किशोर पंडित, घुडदेवा से परमानंद सिंह, कुसमुंडा से अजय प्रसाद, कोसाबाड़ी क्षेत्र से श्याम नारायण सोनी, रजगामार से दीपचंद केशरवानी, युवा कांग्रेस से रहमान खान शत्रुघन पटेल के नेतृत्व में कार्यकर्ता करने में शामिल होगें। पूर्व अल्डर मेन रामकुमार यादव भी समर्थकों के साथ शामिल होगें।

बर्खास्तगी के आदेश को सहन नहीं कर पाया दैवेभो कर्मी

आया पैरालिसिस अटैक, साथियों में रोष

कोरबा। कोरबा जिले के वन विभाग में जंगलराज कायम है। यह टेनी आईएफएस व कोरबा वनमण्डल के अंतर्गत पसरखेत रेंजर के उस बेतुके आदेश से पता चलता है जिसमें अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे कर्मियों में शामिल दैनिक वेतनभोगी कर्मी रामखिलावन व तीन अन्य को सेवा से निकाल दिया गया है। अधिकारी के इस करतूत की वजह से रामखिलावन की जान पर बन आई है। नौकरी से निकाले जाने का सदमा और मानसिक तनाव वे बर्दाश्त नहीं कर सके और अस्पताल में उपचार जारी है। आर्थिक तंगी से परिवार इसलिए जूझ रहा है क्योंकि सिर्फ अपना काम निकालने से वास्ता रखने वाले वन विभाग में अधिकारियों का वेतन तो कभी नहीं रुकता लेकिन कर्मचारियों के वेतन 9-9 महीने से नहीं दिए जाते हैं।

बता दें कि प्रदेश में छत्तीसगढ़ दैनिक वेतनभोगी वन कर्मचारी संघ व फेडरेशन के आव्हान पर नियमितिकरण की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल किया जा रहा है। इसके लिए संगठन के पदाधिकारियों ने विभाग प्रमुखों से बकायदा विधिवत अनुमति लिया है। संगठन की ओर से आंदोलन में शामिल कर्मचारियों की सूची भी विभाग को उपलब्ध कराई गई है। इस सूची में कोरबा वनमंडल के पसरखेत रेंज में पदस्थ कम्प्यूटर ऑपरेटर यशवंत कुमार, वाहन चालक महतम सिंह कंवर और रात्रि सुरक्षा चौकीदार रामखिलावन निर्मलकर भी शामिल हैं। वे तीनों अन्य कर्मचारियों की तरह आंदोलन में शामिल रहे लेकिन उन्हें अपने हक की लड़ाई के लिए संगठन का साथ देना महंगा पड़ गया। पसरखेत रेंजर का प्रभार जून 2024 से प्रशिक्षु आईएफएस (भारतीय वन सेवा) संभाल रहे हैं। रेंज का प्रभार संभालते ही चर्चा में आने वाले आईएफएस ने तमाम नियम कायदों के साथ-साथ इंसानियत को दरकिनार कर आंदोलन में शामिल होने वाले तीनों दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त करने का आदेश सादे कागज में उल्टा लगाकर जारी कर दिया। 21 अगस्त को हस्तलिखित आदेश के माध्यम से कार्रवाई की सूचना वनमंडलाधिकारी और उप वनमंडलाधिकारी को भी दी गई।

इधर नौकरी के हाथ से जाने का दुख तो कम्प्यूटर आपरेटर और वाहन चालक ने किसी तरह सहन कर लिया, लेकिन विभाग में दैनिक वेतन भोगी के रूप में वर्ष 1992 से बेदाग सेवा देते आ रहे रामखिलावन निर्मलकर यह सदमा बर्दाश्त नही कर सके। हड़ताल के दौरान मामूली रूप से बीमार रामखिलावन को नौकरी से बर्खास्त करने, जीवन यापन का साधन खत्म होने की सूचना मिलने से सदमा लगा और तबियत बिगड़ कर पैरालिसिस अटैक आ गया। उन्हें आनन-फानन में अस्पताल में दाखिल कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। बहरहाल घटना के बाद से परिजनों के अलावा संगठन के पदाधिकारियों मे आक्रोश व्याप्त है।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com